शनिवार
09 सितम्बर 2023

पृष्ठ 4

खुलकर हंसना किसी दवा से कम नहीं है।

पृष्ठ 5

वरुण धवन और आलिया भट्ट की फिर जमेगी जोड़ी

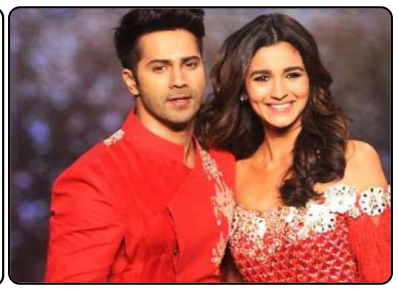

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 212
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

एकता का किला सबसे सुरक्षित होता है। न वह टूटता है और न उसमें रहने वाला कभी दुखी होता है।

– अज्ञात

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

उत्तराखंड में उमड़ी पर्यटकों की भीड़

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली/देहरादून। राजधानी दिल्ली के प्रगति मैदान में जी-20 का मंच सज चुका है। जी-20 के इस महाकुंभ में तमाम विश्व राष्ट्रों के राष्ट्राध्यक्ष और प्रतिनिधियों का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वागत किया गया। इस भव्य आयोजन के लिए दिल्ली एनसीआर में 3 दिनों की छुट्टियां घोषित कर दी गई हैं तथा सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। एनसीआर में तीन दिनों की छुट्टियां होने के कारण बड़ी संख्या में सैलानियों द्वारा पहाड़ की वादियो की ओर रुख किया गया है व लाखों की संख्या में सैलानियों की भीड़ उमड़ रही है। उत्तराखंड के सभी प्रमुख पर्यटक स्थलों और शहरों में कई दिन पूर्व ही होटल, रेस्टोरेंट और रिजार्टस की बुकिंग फुल हो चुकी है।

❑एनसीआर में तीन दिनों की छुट्टियां
❑नैनीताल, मसूरी, दून, हरिद्वार के होटल फुल
❑पुलिस ने किये सुरक्षा के कड़े प्रबंध

देहरादून, मसूरी, नैनीताल और रामनगर के वनप्रभाग में बड़ी संख्या में पर्यटकों की भीड़ उमड़ने से व्यवसायियों के चेहरे भी खिले हुए हैं। राज्य में मानसूनी आपदा के कारण भले ही चार धाम यात्रा में आई सुस्ती से व्यवसायी हताश थे लेकिन इस दौरान पर्यटकों का जमावडा देखकर वह खुश हैं। जंगल सफारी से लेकर नैनीताल में तथा मसूरी में पर्यटकों की भारी भीड़ देखी जा रही है। उधर एनसीआर में पड़ रही भीषण उमस भरी गर्मी से उत्तराखंड की शीतल वादियो में आकर पर्यटक भी खासे खुश नजर आ रहे हैं। भले ही अभी दो दिन पूर्व तक उत्तराखंड का तापमान बढ़ता जा रहा था। लेकिन राज्य में बीते कल से मौसम में अचानक आया बदलाव भी पर्यटकों के लिए मुफीद साबित हो रहा है। राजधानी दून, मसूरी, हरिद्वार, टिहरी, पौड़ी और नैनीताल तथा उधम सिंह नगर में आसमान पर बादल छाए हुए हैं तथा कई स्थानों पर हल्की बारिश भी हो रही है जिसका पर्यटक पूरा आनंद ले रहे हैं।

सबसे ज्यादा भीड़ नैनीताल और मसूरी में देखी जा रही है। नैनीताल में पर्यटकों की भारी भीड़ है तथा टिहरी झील पर्यटकों से गुलजार है। उधर हरिद्वार ऋषिकेश में भी पर्यटकों की भारी भीड़ है। सभी होटल और धर्मशालाएं फुल है। व्यवसायियों का कहना है कि लोगों ने कई दिन पहले ही बुकिंग कर ली थी। जिन्होंने बुकिंग नहीं कराई थी उन्हें अब होटलों में जगह नहीं मिल पा रही है।

पर्यटकों की भीड़ बढ़ने का पूर्वानुमान होने के कारण पुलिस प्रशासन ने भी इसकी पूर्व तैयारी कर रखी थी। यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखने से लेकर पर्यटकों की सुरक्षा के लिए पुलिस ने विशेष प्रबंध किए हैं।

महिला सहकर्मी से दुष्कर्म का आरोपी मात्र तीन घंटे में गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। महिला सहकर्मी से दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने मात्र तीन घंटे में ही गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी फरार होने की फिराक में था, जिसे आज न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बीती शाम लगभग पौने चार बजे थाना डोईवाला पर मोचिको शूज कम्पनी लालतप्पड मे कार्य करने वाली महिला द्वारा तहरीर देकर बताया गया था कि वह मोचिको कम्पनी लालतप्पड मे कार्य करती है। बताया कि वह आज अपने निजि कार्य के कारण कम्पनी मे कार्य हेतू नही जा पायी, इस वजह से उसने अपने सीनियर सहकर्मी आसिफ को छुट्टी के सम्बन्ध मे फोन किया, जिस पर आसिफ द्वारा उसे बताया गया कि वह अपने सीनियर से बात कर लेगा। जिसके बाद उसको कम्पनी से फोन आया कि आप आज कार्य पर नही आये। जिस पर उसने फिर आसिफ से बात की तो उसने उसे बात करने के बहाने मोचिको फैक्ट्री गेट पर बुलाया। बताया कि जैसे ही वह वहाँ पहुँची तो आसिफ द्वारा उसका मोबाइल

ले लिया गया और कम्पनी के पास ही अपने कमरे में ले जाकर उससे मारपीट करते हुए उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया गया है। मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी गयी। जिसे पुलिस द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद लगभग पौने सात बजे माजरीग्रांट लालतप्पड़ से गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी आसिफ खान घटना को अंजाम देकर गिरफ्तारी से बचने के लिए फरार होकर लालतप्पड से अपने मूल निवास हरदोई जाने की तैयारी मे था। जिसे आज न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

मोरक्को में आया भीषण भूकंप, 632 लोगों की मौत

नई दिल्ली। उत्तर अफ्रीका के मोरक्को देश में भूकंप ने भारी तबाही मचाई है। झटके इतने तेज थे कि कई इमारतें जमींनदोज हो गईं। संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक उत्तर अफ्रीका में बीते 120 सालों में आए भूकंप में यह सबसे शक्तिशाली भूकंप माना जा रहा है। भूकंप की तीव्रता 6.8 मापी गई है। यह भूकंप देर रात 11:11 बजे आया। अब तक 632 लोग इस भूकंप की वजह से अपनी जान गंवा चुके हैं। मरने वालों का आकड़ा और बढ़ सकता है। भूकंप का केंद्र मोरक्को के मराकेश शहर से करीब 70 किलोमीटर दूर था। भूकंप इतना जोरदातर था कि उसका असर मराकेश से करीब 350 किलोमीटर दूर राजधानी रबात में भी महसूस किया गया। शक्तिशाली भूकंप के कारण कई निवासियों को सड़कों पर रात बिताने के लिए मजबूर होना पड़ा। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे ने कहा कि यह एक सदी से भी अधिक समय में उत्तरी अफ्रीकी देश के उस हिस्से में आया सबसे तेज झटका था। मोरक्को के सरकारी अल-औला टेलीविजन ने शनिवार को बताया कि घटना में 153 अन्य घायल हो गए। वहीं रॉयल मोरक्कन सशस्त्र बलों ने चेतावनी जारी की है कि भूकंप के झटके अभी और आ सकते हैं।

जी-20 का स्थायी सदस्य बना अफ्रीकी संघ

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य राष्ट्राध्यक्षों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों ने दिल्ली के भारत मंडपम में जी20 शिखर सम्मेलन के प्रथम सत्र में भाग लिया। अफ्रीकी संघ शनिवार को दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों के समूह जी20 का स्थायी सदस्य बन गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दो दिवसीय जी20 शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए 55 देशों वाले अफ्रीकी संघ को नए सदस्य के तौर पर शामिल किए जाने की घोषणा की।

पीएम मोदी ने कहा कि जी20 परिवार के स्थायी सदस्य के रूप में अफ्रीकी संघ (55 देश) का स्वागत करते हुए सम्मानित महसूस कर रहा हूं। इससे

जी20 मजबूत होगा और ग्लोबल साउथ की आवाज भी मजबूत होगी। उन्होंने कहा, अपना काम शुरू करने से पहले, मैं एयू के अध्यक्ष को स्थायी सदस्यता ग्रहण करने के लिए आमंत्रित करता हूंघोषणा के कुछ ही वक्त बाद कोमोरोस संघ के राष्ट्रपति और अफ्रीकी संघ (एयू) के अध्यक्ष अजाली असौमानी ने जी20 के स्थायी सदस्य के तौर पर आसन ग्रहण किया। मोदी ने कहा, सबका साथ की भावना को ध्यान में रखते हुए, भारत ने अफ्रीकी संघ को जी20 की स्थायी सदस्यता प्रदान किए जाने का प्रस्ताव पेश किया। मेरा विश्वास है कि हम सब इस प्रस्ताव पर सहमत हैं। आपकी सहमति से....।

भारत पिछले कुछ वर्षों से खुद को विकासशील देशों खासतौर पर अफ्रीकी महाद्वीप की समस्याओं, चुनौतियों तथा आकांक्षाओं को आवाज देने में प्रमुख देश रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने जी20 में एयू की सदस्यता के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया था। जून में मोदी ने जी20 नेताओं को पत्र लिखकर नई दिल्ली में शिखर सम्मेलन के दौरान एयू को पूर्ण सदस्यता देने की वकालत की थी।

दून वैली मेल

संपादकीय

उपचुनाव नतीजे का संदेश

भले ही बागेश्वर उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी पार्वती दास ने बाजी मार ली हो लेकिन इस जीत पर पार्वती दास और भाजपा को बहुत खुश होने की जरूरत नहीं है। यह सिर्फ और सिर्फ उस सहानुभूति की जीत है जो उनके पति और पूर्व मंत्री चंदन रामदास के प्रति आदर के रूप में उपजी है। चंदन रामदास को सच्ची श्रद्धांजलि देकर बागेश्वर की जनता ने अपना कर्तव्य पूरा कर दिया है। अब देखना यह है कि क्या पार्वती दास चंदन दास की उस लोकप्रियता की सुरक्षा और संरक्षण की हिफाजत कर पाएगी जो उन्होंने अपने पूरे राजनीतिक जीवन में अर्जित की थी। चंदन रामदास चार बार लगातार इस एक ही सीट से चुनाव जीते थे पिछले चुनाव में उन्होंने 12 हजार से भी अधिक मतों से जीत दर्ज की थी लेकिन इस चुनाव में पार्वती दास सिर्फ 24 सौ वोटो से जीत पाई है। भले ही आप अपने मन को समझाने के लिए यह तर्क दे सकते हैं की जीत तो जीत ही होती है भले ही 10 मतों से क्यों न हो लेकिन इस जीत को लेकर जो मामूली अंतर से हुई है अभी से यह सवाल खड़ा हो गया है कि क्या भाजपा आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव में पार्वती दास को टिकट दे सकेगी और क्या वह इस सीट पर चुनाव जीत पाएगी? बागेश्वर उपचुनाव का नतीजा जीत के बाद भी भाजपा के लिए कोई बड़ा सुकूनदेह नहीं है क्योंकि भाजपा नेताओं को यहां बड़े मार्जिन वाली जीत की उम्मीद थी। सच कहा जाए तो चुनाव के अंतिम क्षणों में अगर सीएम धामी उनकी जनसभाओं में नहीं गए होते जिनमें पार्वती दास को भावुक होते हुए और सीएम को ढांढस से बताते हुए अगर लोगों ने नहीं देखा होता तो पार्वती दास की यह जीत हार में भी बदल सकती थी। वहीं कांग्रेस के लिए भी यह हार कई सारे सवाल अपने पीछे छोड़ गई है भले ही हार जीत का फासला कम रहा हो लेकिन यह हार कांग्रेस जीत में भी बदल सकती थी। कांग्रेस ने बसंत कुमार को चुनाव मैदान में उतार कर जो कल्पना की थी कि मुख्य चुनाव में आप के प्रत्याशी रहे बसंत कुमार को मिले मतों को अगर कांग्रेस प्रत्याशी के मतों में जोड़ दिया जाए तो कांग्रेस जीत पक्की कर सकती है। यह हो भी सकता था लेकिन भाजपा ने चुनाव दौर में कांग्रेस के पूर्व प्रत्याशी को भाजपा में खींचकर कांग्रेस के मंसूबों पर पानी फेर दिया था। प्रत्याशी चाहे किसी भी पार्टी का हो हर नेता का अपना एक निजी वोट बैंक जरूर होता है। कांग्रेस को उसके पूर्व प्रत्याशी के भाजपा में जाने से भी भाजपा की जीत का रास्ता आसान हुआ है। खैर अब जो होना था वह तो हो चुका है लेकिन इस उप चुनाव के नतीजे ने भाजपा और कांग्रेस दोनों को ही सतर्क जरूर कर दिया है। आने वाले लोकसभा चुनाव की दृष्टि से इसे एक लिटमस टेस्ट बताने वाले अब उलझन में पड़ गए हैं और उन्हें यह समझ नहीं आ रहा है कि इस चुनाव के नतीजे को वह कैसे देखें। इसे देखकर तो यह लगता है कि बागेश्वर उपचुनाव की तरह लोकसभा की भी सभी पांचो सीटों पर मुकाबला ऐसा ही संघर्षपूर्ण रहने वाला है।

डेंगू के बढ़ते मामलों को लेकर आप ने किया निगम का घेराव

देहरादून (सं)। शहर में डेंगू व मलेरिया के बढते मामलों को लेकर आम आदमी पार्टी ने नगर निगम को घेराव किया। आज यहां आम आदमी पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने प्रदेश उपाध्यक्ष उमा सिसोदिया के नेतृत्व में नगर निगम पहुंचकर हल्ला बोल किया। जानकारी देते हुए पार्टी के गढ़वाल मीडिया प्रभारी रविंद्र आनंद ने बताया कि डेंगू, मलेरिया के बढ़ते मामले को देखते हुए आम आदमी पार्टी द्वारा नगर निगम का घेराव किया गया परंतु जब आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता नगर निगम पहुंचे तो वहां सभी कार्यालय बंद देखकर उनका पर चढ़ गया। इस दौरान उमा सिसोदिया ने कहा कि इस वक्त जबकि डेंगू, मलेरिया अपने चरम पर है और नगर निगम छुट्टियां मना रहा है उन्होंने कहा कि नगर निगम जिसको की इस वक्त आपातकालीन स्थितियों में काम करना चाहिए था वह यहां ताले लगाकर घरों में आराम की नींद सो रहा है। आम आदमी पार्टी के उपाध्यक्ष डॉ आर पी रतूडी ने निगम पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। प्रदेश उपाध्यक्ष हिम्मत सिंह बिष्ट ने भी सरकार को चेताते हुए कहा कि यदि व्यवस्थाएं जल्द ठीक ना हुई तो जनता इसका जवाब जरूर देगी। पार्टी के प्रवक्ता राजू मौर्य ने निगम के कार्य शैली पर सवाल उठाए ,वहीं प्रवक्ता विपिन खन्ना ने भी मेयर की संपत्ति के मामले में चल रही जांचों पर धावा बोला इस मौके पर प्रवक्ता कमलेश रमन ने प्रदेश सरकार की नीतियों पर सवाल खड़े किए। गढ़वाल मीडिया प्रभारी रविंद्र आनंद ने कहा कि मेयर गामा को नगर निगम का विकास करना था इसके स्थान पर उन्होंने अपना विकास ही कर डाला। इस मौके पर श्याम बाबू पांडे, इकबाल राव ,सुशील सैनी ,सुरेंद्र बिंद्रा ,हरविंदर सिंह ,कासिम चौधरी, योगेंद्र चौहान, सुधा पटवाल, अशोक सेमवाल ,नासिर खान, वसीम खान, दीपक चौरसिया मौजूद रहे।

भद्रम्भद्रं न आ भरेषमूर्ज शतक्रतो।
यदिन्द्र मृळयासि नः॥

(ऋग्वेद ८-९३-२८)

हे सैकड़ों उत्तम कार्य करने वाले परमेश्वर ! हमें सात्विक खाद्य पदार्थ ऊर्जा और दिव्य ज्ञान प्रदान करो। जिससे हमारा कल्याण हो और हम भी दूसरों का कल्याण कर सकें।

हिमालय दिवस पर हिमालय व इसके पर्यावरण को बचाने का लिया संकल्प

कार्यालय संवाददाता

नरेन्द्रनगर। हिमालय और इसके पर्वत तंत्र की रक्षा के लिए महाविद्यालय परिवार ने आज हिमालय दिवस के अवसर पर हिमालय तथा इसके पर्यावरण को बचाने का संकल्प लिया।

उल्लेखनीय है कि 2015 से प्रतिवर्ष आधिकारिक तौर पर उत्तराखंड सरकार द्वारा 9 सितंबर को हिमालय दिवस के रूप में मनाया जाता है इसी कड़ी में शनिवार को धर्मानंद उनियाल राजकीय महाविद्यालय में वनस्पति विज्ञान विभाग की विभागीय परिषद के सौजन्य से हिमालय दिवस मनाया गया । इस अवसर पर वृक्षारोपण एवं ष हिमालय बचाओ ष्की शपथ के कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कालेज प्राचार्य प्रोफेसर आर के उभान ने की ,अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्रोफेसर उभान ने कहा कि हमें उत्तराखंड में भवन निर्माण, सड़क निर्माण ,शहर और सड़कों के जल निकास की योजनाओं के निर्माण एवं क्रियान्वयन पर संवेदनशीलता एवं वैज्ञानिक विधियों से दृढ़ता पूर्वक कार्य करने की आवश्यकता है, तभी हम हिमालय बचाने के संकल्प की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।

डॉ जितेंद्र नौटियाल ने छात्रों ,शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को प्राचार्य की मौजूदगी में राष्ट्रध्वज के नीचे हिमालय और इसके पर्यावरण को बचाने की शपथ दिलाई ,इसके उपरांत परिसर में वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में प्रमुख तौर पर वनस्पति विज्ञान विभाग के विभाग प्रभारी डॉ यू सी मैठानी के अलावा कॉलेज प्राध्यापक डॉ आशुतोष शरण ,डॉ सपना कश्यप ,डॉआराधना सक्सेना, डॉ नताशा, डॉ विक्रम सिंह बर्त्वाल, डॉ सृचना सचदेवा,डॉ सोनी तिलारा,डॉ ज्योति शैली, डॉ विजय प्रकाश भट्ट, डॉबीपी पोखरियाल, डॉ इमरान अली ,डॉ विजय प्रकाश, डॉ देवेंद्र कुमार , डॉ आराधना सक्सेना , शूरवीर दास, जगवेंद्र पवार, अजय पुंडीर ,लक्ष्मी कठैत आदि कॉलेज प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं विशेष रूप से मौजूद रहे

कार्यक्रम का छायांकन विशाल त्यागी एवं अजय पुंडीर ने संयुक्त रूप से तथा संचालन डॉ जितेंद्र नौटियाल ने किया।

जिला अध्यक्ष राजकुमार सहित कार्यकारिणी का स्वागत

संवाददाता

हरिद्वार। लघु व्यापार एसोसिएशन के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष राजकुमार एंथोनी व उसकी कार्यकारिणी का भव्य स्वागत किया गया।

आज यहां रेडी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारियों के सामूहिक संगठन लघु व्यापार एसोसिएशन क्षेत्रीय इकाई सेक्टर टू बैरियल अध्यक्ष श्रीमती नम्रता सरकार के संयोजन में बीएचईएल बेरियल के चौक में अभिनंदन समारोह आयोजित कर प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा द्वारा नियुक्त किए गए जिला अध्यक्ष राजकुमार एंथनी व समस्त जिला कार्यकारिणी का भव्य कार्यक्रम आयोजित कर अभिनंदन किया। सभी जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों के अभिनंदन के उपरांत सामूहिक रूप से निर्णय लिया गया 11 सितंबर को सभी पंचपुरी के रेडी पटरी के लघु व्यापारी नगर निगम प्रशासन द्वारा चयनित किए गए वेंडिंग जोन के निर्माण और सरकार द्वारा प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत दी जाने वाली 10000 की अनुदान राशि में नगर निगम सिटी मेंशन विभाग द्वारा की जा रही लापरवाही के विरोध में नगर निगम के उच्च अधिकारियों के घेराव किए जाएंगे।

अभिनंदन समारोह में प्रदेश महामंत्री मनोज कुमार मंडल जिला उपाध्यक्ष सचिन राजपूत जिला महामंत्री रणवीर सिंह, विकास सक्सेना जिला उपाध्यक्ष विजेंद्र चौधरी महिला मोर्चे की संयोजक श्रीमती पूनम मकान ,जय भगवान, प्रद्युम्न सिंह ,कमल शर्मा, नंदकिशोर गोस्वामी, नीरज कशयप, जमीन असारी, नईम सलमानी, अनूप सिहं, रवि अरोड़ा, मुकेश कशयप , सभापति सिंह मुकेश दीवान, सुरेन्द्र धर्मपाल, ऊषा देवी, सीता चौहान आदि प्रमुख रुप से शामिल रहे।

हिमालय हमारी सभ्यता का प्रतीकः जोशी

संवाददाता

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि हिमालय एक पर्वत मात्र नहीं है बल्कि हमारी सभ्यता का प्रतीक है।

आज यहां कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने गांधी पार्क में हिमालय दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा आम जनता के बीच जागरूकता बढ़ाने और संरक्षण गतिविधियों में सामुदायिक भागीदारी बढ़ाने के लिए हिमालय दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा देश को पानी हवा व मिट्टी की आपूर्ति करने में हिमालय की महत्वपूर्ण भूमिका है तो जैव विविधता का भी यह अमूल्य भंडार है। हिमालय एक पर्वत मात्र नहीं है बल्कि हमारी सभ्यता का प्रतीक है। उन्होंने कहा आपदाओं में दो महत्वपूर्ण हिस्से हैं, जिसमें से एक हिस्सा स्थानीय है, दूसरा हिस्सा धरती पर बढ़ते तापमान का है, जिसका सीधा असर हिमालय के जलवायु परिवर्तन पर पड़ता है। मंत्री ने कहा इस खास मौके पर राज्यभर में हिमालयी क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन व आपदाओं से पड़ रहे असर और इससे निपटने के उपायों पर मंथन किया जाना आवश्यक है।

उन्होंने कहा हिमालय के प्रति सबकी समझ बने, इस संदेश के साथ प्रदेश भर में इस प्रकार के आयोजन किए जाने आवश्यक हैं। मंत्री ने कहा जल वायु परिवर्तन के कारण हिमालय पर मंडरा रहे खघ्तरे का समाधान केवल सामूहिक सहभागिता के द्वारा ही निकाला जा सकता है।

कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने सभी प्रबुद्धजनों से अपील करते हुए कहा इस प्रकार के कार्यक्रमों के द्वारा आम जन में हिमालय के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास निरंतर करते रहें। इस अवसर पर मंत्री गणेश जोशी ने आयोजको को कार्यक्रम के आयोजन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी। इस अवसर पर पर्यावरणविद डॉ.अनिल जोशी, बीजेपी जिलाध्यक्ष सिद्धार्थ उमेश अग्रवाल सहित कई अन्य उपस्थित रहे।

राज्य सरकार कर रही है जनता का उत्पीड़नः मनीष

नगर संवाददाता

देहरादून। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री व पूर्व मंत्री मनीष कुमार ने आज एक बयान में कहा है कि राज्य सरकार लगातार राज्य की जनता का उत्पीड़न करने में लगी हुई है।

उन्होने कहा कि पूर्व में जब कांग्रेस की सरकार थी तो राज्य के एपीएल कार्ड धारकों को 10-10 किलो गेहूं-चावल दिया जा रहा था परंतु जब से पुनः भाजपा की सरकार कुर्सी पर आई है इन्होंने उसको बंद कर दिया है अब गेहूं के नाम पर केवल और केवल 7.30 किलो चावल दिया जा रहा है जो कि नाकाफी है और बहुत ही शर्मनाक है उन्होने सवाल उठाया है कि क्या एक परिवार का पेट 7.30 किलो चावल में महीने भर में पाला जा सकता है? उन्होने कहा कि राशन में पूर्व में चीनी दी जाती थी जो इन्होंने बंद कर दी है इसके अलावा राशन में कोई भी अन्य सामग्री किफायती दरों पर नहीं दी जा रही है जनता अपने आप को उपेक्षित महसूस कर रही है। उन्होने कहा कि राशन की दुकानों पर गेहूं चावल के अलावा कोई अन्य सामग्री नहीं दी जा रही है जो की जनता के साथ एक धोखा और विश्वास घात है आज जबकि महंगाई अपने चरम पर है रिफाइंड तेल हो सरसों का तेल डालें मसाले और अन्य खाद्य वस्तुएं जिनके दाम आसमान छू रहे हैं ऐसी चीजों को राशन की दुकानों पर दिया जाना चाहिए।

साथ ही उन्होने कहा कि जब पूरी पारदर्शिता के साथ राशन वितरण किया जा रहा है तो राशन डीलरों का उत्पीड़न क्यों किया जा रहा है आज 10 , 15 महीने गुजर जाने के बाद भी उनकों उनका कमीशन नहीं दिया गया है और उनसे फ्री में राशन बटवाया जा रहा है ऐसे में उनको अपनी जीविका चलाने के लाले पड़ गए हैं। उन्होने कहा कि कांग्रेस राज्य सरकार से मांग करती है कि तत्काल एपीएल कार्ड धारकों को राहत देते हुए 15-15 किलो गेहूं और चावल दिया जाए और इसके साथ में चीनी, मसाले रिफाइंड तेल, सरसों का तेल और अन्य संबंधित खाद्य पदार्थ राशन की दुकानों पर उपलब्ध कराए जाएं ताकि राशन विक्रेताओं को भी लाभ मिल सके और जनता भी लाभान्वित हो सके।

स्मैक के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्मैक के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासनगर कोतवाली पुलिस ने तिमली रोड पर एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से नौ ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम मेहरबान उर्फ पुन्ना पुत्र जमशेद निवासी कुजां ग्रान्ट बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर एक की मौत

संवाददाता

देहरादून। अज्ञात वाहन की चपेट में आकर एक की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नागल बिजनौर निवासी सुमित कुमार ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका भाई यहां लालतप्पड में एक कम्पनी में काम करता था तथा छिददरवाला में उसने कमरा ले रखा था। उसने बताया कि गत दिवस उसका भाई कमरे से फैक्ट्री के लिये निकला था जब वह स्वराज ट्रैक्टर एजेंसी के पास पहुंचा तभी अज्ञात वाहन ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे उसके भाई की मौके पर ही मौत हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

एक्सरसाइज करने से पहले जरूर जान लें कुछ खास भ्रामक धारणाएं

एक्सरसाइज के बारे में लोगों में कई भ्रामक धारणाएं व्याप्त हैं। इस विषय में सही जानकारी रखना फायदेमंद साबित होगा।

भ्रम 1. सुबह खाली पेट कार्डियो ज्यादा कारगर।

सच्चाई : इस सोच का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं। आप अपनी सुविधा के अनुसार सुबह, दोपहर या शाम का समय तय कर सकते हैं। अगर सुबह एक्सरसाइज करनी है तो खाली पेट हर्गिज न करें। आसानी से पचने वाली कोई चीज, जैसे फल का टुकड़ा या लो-फैट फ्रूट ड्रिंक लें।

भ्रम 2. जब तक एक्सरसाइज करते हैं, मनचाहा खा सकते हैं।

सच्चाई : काश यह बात सही होती! हम रोज पार्टी करते और खूब कसरत करते। हां, धोखा इसलिए होता है कि सारी वसा सतह पर नजर नहीं आती। वसा की कुछ मात्रा हमारे शारीरिक अंगों में विसरल फैट के रूप में जमा हो जाती है, जो सेहत के लिए ज्यादा खतरनाक है। एक्सरसाइज का सही फायदा तभी मिलेगी जब इसके साथ-साथ आप भोजन भी सुपाच्य लेते रहें।

सप्ताह के सातों दिन 7 अलग फ्लेवर में पिएं दूध!

सेहत के मामले में अपनी लाइफ को सेट करना है तो हर दिन दूध का सेवन जरूरी है। लेकिन एक ही चीज को एक ही रूप में हर रोज सेवन करते रहने से मन ऊब जाता है। आज हम आपके लिए इसी उलझन का समाधान लेकर आए हैं। आपको सिर्फ इतना करना है कि हर दिन अपने लिए एक अलग फ्लेवर में दूध को तैयार करना है। यहां जानें सात दिन के लिए सात अलग फ्लेवर्स के बारे में...

नाश्ते में या सोने से पहले कभी भी लीजिए

-आप चाहें तो आज से या फिर कल से मिल्क रुटीन की शुरुआत कर सकते हैं। यहां बताई गई सात अलग-अलग चीजों को अपने घर की रसोई में स्टोर करके रखना है। ताकि हर दिन एक नए फ्लेवर में टेस्टी और हेल्दी दूध तैयार किया जा सकें। यदि सुबह के समय आपके पास दूध पीने का समय नहीं होता है तो आप रात को सोने से पहले इन फ्लेवर्ड मिल्क का स्वाद ले सकते हैं। इससे आपको नींद भी अच्छी आएगी...

शुरुआत करते हैं मखाना से

-सबसे पहले मखाना मिल्क की बात करते हैं। मखाना मिल्क तैयार करने के लिए आपको अपनी जरूरत के हिसाब से दूध लेना है और फिर उसमें एक मुट्ठी मखाना डालकर 1 मिनट के लिए मिक्सी में फेट लें। अब इस दूख और मखाने के मिश्रण में अपने स्वाद के अनुसार शुगर मिलाएं। लीजिए तैयार है आपका मखाना मिल्क।

केसर युक्त दूध

-केसर युक्त दूध तैयार करने के लिए भी आपको इलायची का दूध तैयार करने की विधि अपनानी है। एक गिलास दूध तैयार करने के लिए एक गिलास से अधिक दूध छोटे बर्तन में डालकर पकने के लिए रखें और इसे धीमी आंच पर पकाएं।

-दूध पकने रखते समय ही इसमें केसर की एक स्ट्रेन (एक पत्ती) डाल दें। जब दूध एक गिलास रह जाए तो इसमें शुगर मिलाकर दो से तीन मिनट के लिए इसे ढंककर रखे दें। इसके बाद आप आराम से इस दूध को खूबसूरत गिलास में सर्व करके इंजॉय कर सकते हैं।

हरी इलायची

-हरी इलायची युक्त एक गिलास दूध तैयार करने के लिए आपको सवा गिलास दूध चाहिए होगा। इस दूध को धीमी आंच पर गर्म होने के लिए रखें और इसमें एक हरी इलायची को पीसकर डाल दें। जब दूध पकते-पकते एक गिलास रह जाए तब इस दूध को उतारकर छान लें और इसमें अपने स्वाद के हिसाब से मीठा मिला लें।

शहद और दूध

शहद मिला दूध तैयार करने के लिए आप या तो सामान्य तापमान पर रखे दूध में शहद मिला लें। या फिर दूध को हल्का-सा गुनगुना कर लें और इसके बाद दूध में शहद मिलाएं। आपके लिए हनी-मिल्क तैयार है। ध्यान रखें कि बहुत तेज गर्म दूध में शहद नहीं मिलाते हैं। ऐसा करने से शहद के गुणों पर विपरीत असर होता है। इसके साथ ही फ्रिज में रखे दूध में शहद नहीं मिलाते। क्योंकि इतने ठंडे दूध में शहद ठीक से घुल नहीं पाता है।

ड्राईफ्रूट्स मिल्क

आपको एक मुट्ठी काजू-बादाम और मखाना मिश्रण लेना है। इसमें एक गिलास दूध डालकर अच्छी तरह मिक्सी में मिक्स कर लें। तैयार दूध में अपने स्वाद के अनुसार मीठा मिलाएं और सेहतभरे दूध का आनंद लें। आप चाहें तो इसकी नैचरल मिठास को इंजॉय करने के लिए बिना शुगर मिलाए भी उपयोग कर सकते हैं। ध्यान रखें कि ड्राईफ्रूट्स मिल्क तैयार करते समय उसमें किशमिश, मुनक्का और पिस्ता जैसे ड्राईफ्रूट्स का उपयोग नहीं करना चाहिए। क्योंकि किशमिश और मुनक्का में कुछ खट्टापन होता है, जो दूध का विरोधी गुण हैं।

हल्दी और दूध

आपको एक छोटी-सी लेकिन महत्वपूर्ण बात याद दिलानी है और वह यह है कि यदि नियमित रूप से आप हल्दी मिले दूध का सेवन करते हैं तो एक गिलास दूध में एक-चौथाई (1/4)चम्मच से अधिक हल्दी का उपयोग ना करें। साथ ही हल्दी का दूध तैयार करते समय दूध को गर्म जरूर करें और घूंट-घूंट करके गर्म दूध का ही सेव करें।

प्लेन दूध और गुड़

-दूध पीने का यह सदियों पुराना तरीका है। क्योंकि संभवतः गुड़ ही इंसान द्वारा तैयार की जानेवाली सबसे पहले मिठाई है। गर्म दूध के साथ गुड़ का सेवन करना एक अलग तरह की संतुष्टि देता है। गुड़ और दूध दोनों के गुण मिलकर हमारी सेहत को मजबूत बनाए रखने के काम करते हैं।

स्वस्थ रहना है तो डायबिटीज को करें कंट्रोल

आज की जीवनशैली बहुत ही भागमभाग वाली हो गई है। इस व्यस्त जीवनशैली में एक पूर्ण स्वस्थ शरीर एक सपने जैसे लगता है। इस लाइफ स्टाइल ने भले ही बहुत सुख-सुविधाएं दी हों, लेकिन इसी की देन है लगातार बढ़ता तनाव और बीमारियां।।। और तनाव आपको बीमार, बहुत बीमार बनाने के लिए काफी होता है। इन्हीं बीमारियों में से एक है डायबिटीज । जी हां, डायबिटीज एक धीमे जहर की तरह काम करती है। यह आपको पता चले बिना ही बीमार बना सकता है। लेकिन अच्छी बात यह है कि आप इसे अपने नियंत्रण में कर सकते हैं। कैसे, ये हम आपको बताते हैं।।।

डायबिटीज को कंट्रोल में रखने के लिए आपको रोज़ाना एक्सरसाइज करनी चाहिए। एक्सरसाइज न सिर्फ आपके तनाव को कम करती है, बल्कि ये आपके बल्ड प्रेशर और कोलेस्ट्रेल प्रेशर के लेवल को भी कंट्रोल करने में मदद करती है। हफ्ते में कम से कम पांच दिन आपको आधे घंटे तक एक्सरसाइज करनी चाहिए।

शुगर लेवल को करें ट्रेक

आपको नियमित रूप से दिन कम से दो बार अपने बल्ड शुगर लेवल को चेक करना चाहिए और ध्यान रखना चाहिए कि वह आपके डॉक्टर द्वारा बताए गए नॉर्मल स्तर पर है या नहीं। साथ ही बल्ड प्रेशर को रिकॉर्ड करने के बाद लिखना ना भूलें, इससे आप ये समझ पाएंगे कि बल्ड प्रेशर कब बढ़ या घट रहा है।

कार्बोहाइड्रेट्स पर रखें नजर

अपने कार्बोहाइड्रेट्स को ट्रेक करते रहना चाहिए। ध्यान रखें कि आप दिन में किस-किस समय पर और कितनी मात्रा में भोजन करते हैं। अगर आप ऐसा करते हैं तो इससे आपका बल्ड शुगर लेवर कंट्रोल में रहेगा। इसके अलावा वह फूड ज़रूर खाएं, जिनमें फाइबर की मात्रा ज्यादा हो, जैसे कि हरी सब्जियां, फल, बीन्स आदि।

डाइट को लेकर हों टाइट

डायबिटीज के ट्रीटमेंट के दौरान आपकी डाइट एक अहम रोल अदा करती है। डाइट को या तो इंसुलिन इंजेक्शन या फिर हाइपोग्लामिक ड्रग्स के कॉम्बिनेशन के साथ लेना चाहिए। आपको ज्यादा कार्बोहाइड्रेट्स वाले खाने से परहेज करना चाहिए। डायबिटीज को कंट्रोल में रखने के लिए ये टिप्स खासे मददगार साबित होते हैं।

मायावती के बयान के बाद बसपा में बेचैनी

बहुजन समाज पार्टी की नेता मायावती ने अकेले चुनाव लडऩे का ऐलान करके अपनी पार्टी के नेताओं और खास कर सांसदों के बेचैन कर दिया है। उन्होंने एक महीने के अंदर दो बार यह बात कही। पहले पार्टी नेताओं की बैठक में उन्होंने अकेले लडऩे की बात कही और फिर मुंबई में विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की बैठक से पहले सोशल मीडिया में लिखा कि बहुजन समाज पार्टी पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी और अगले साल के लोकसभा चुनाव में भी अकेले मैदान में उतरेगी। उन्होंने एनडीए और 'इंडिया' दोनों को निशाना बनाते हुए कहा कि उनकी पार्टी किसी गठबंधन का हिस्सा नहीं बनेगी। ध्यान रहे 'इंडिया' के नेता उम्मीद कर रहे थे कि वे विपक्षी गठबंधन का हिस्सा बनेंगी। उनके अकेले लडऩे के ऐलान से सबसे ज्यादा परेशान उनकी पार्टी के सांसद हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में यानी 2019 में वे समाजवादी पार्टी के साथ तालमेल करके लड़ीं थी और उनकी पार्टी 10 सीटों पर जीत गई थी। उससे पहले 2014 में अकेले लड़ कर वे एक भी सीट नहीं जीत पाई थीं। हालांकि दोनों चुनावों में उनको वोट 20 फीसदी के करीब ही मिले। तभी उनकी पार्टी के सांसद चाहते हैं कि पार्टी किसी न किसी गठबंधन में चुनाव लड़े। मायावती भाजपा के साथ नहीं जा सकती हैं क्योंकि तब मुस्लिम वोट पूरी तरह से उनसे अलग हो जाएगा और बाद में दलित वोट भी भाजपा की ओर से तेजी से शिफ्ट करेगा। इसके अलावा भाजपा गठबंधन में उनको ज्यादा सीट भी नहीं मिल सकती है। सो, विपक्षी गठबंधन के साथ जाना उनके लिए बेहतर विकल्प माना जा रहा है। इस बीच खबर है कि मायावती की पार्टी के सांसदों ने अपने लिए सुरक्षित आसरे की खोज तेज कर दी है। कई सांसद भाजपा के संपर्क में बताए जा रहे हैं तो कुछ सांसदों ने समाजवादी पार्टी और विपक्षी गठबंधन में शामिल राष्ट्रीय लोकदल से संपर्क किया है। यह भी कहा जा रहा है कि उनकी पार्टी के कई नेता कांग्रेस के संपर्क में हैं। हालांकि विपक्षी पार्टियां अभी इस तरह का कोई मैसेज नहीं जाने देना चाहती हैं, जिससे मायावती भडक़ें। उनको यह नहीं लगना चाहिए कि विपक्षी गठबंधन उनकी पार्टी तोड़ रहा है। इसका मतलब है कि विपक्ष को अब भी उनके साथ आने की उम्मीद है। पिछले दिनों बहुजन समाज पार्टी के एक सांसद ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की थी। हालांकि उसके बाद सपा ने चुप्पी साधे रखी, जिसकी वजह से उनके सपा के साथ जाने या सपा की टिकट से चुनाव लडऩे की अटकलें थम गईं। यह भी बताया जा रहा है कि सपा के एक मुस्लिम सांसद पुराने समाजवादी संपर्कों जरिए अखिलेश को मैसेज पहुंचा रहे हैं। नीतीश कुमार और उनकी पार्टी के नेताओं के जरिए उन्होंने सपा से संपर्क किया है। (आरएनएस)

बदहाली गिग वर्कर्स की

साल 2019 से 2022 के बीच गिग वर्कर्स की वास्तविक आमदनी में ठोस गिरावट आई। यह गिरावट औसतन 10.4 प्रतिशत रही। इसके पीछे दो प्रमुख वजहें हैं- बढ़ी आम महंगाई और तेल की ऊंची कीमत। ये श्रमिक वैसे भी बाकी वर्कर्स से कम ही कमा पाते हैं। वैसे तो भारत के आज के राजनीतिक विमर्श में श्रमिक वर्ग ही गायब है, लेकिन उनके बीच भी गिग वर्कर्स तो कुछ ज्यादा ही हाशिये पर हैं। इसलिए नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकॉनमिक रिसर्च (एनसीएईआर) और सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय ने इन श्रमिकों के बारे में अध्ययन किया, इसके लिए उनकी प्रशंसा की जाएगी। एनसीएईआर का अध्ययन 2019 से 2022 के बीच इन श्रमिकों की वास्तविक आमदनी में आई ठोस गिरावट के बारे में है। निष्कर्ष है कि इस अवधि में इन श्रमिकों की आमदनी में औसतन 10.4 प्रतिशत गिरावट आई। इस गिरावट की दो प्रमुख वजहें है- बढ़ी आम महंगाई और तेल की ऊंची कीमत। चूंकि गिग वर्कर्स- चाहे वो टैक्सी ड्राइवर हों या घर-घर सामान पहुंचाने वाले कर्मी- उन्हें अपने वाहन के रखरखाव का खर्च खुद ही उठाना पड़ता है, इसलिए तेल की महंगाई सीधे तौर पर उनकी आमदनी को कम कर देती है। नतीजा यह हुआ कि 2019 में रोजाना 11 घंटों तक काम करने वाले गिग वर्कर्स की औसत वास्तविक आमदनी जहां 13,470 रुपये थी, वह 2022 में 11,963 रुपये रह गई। छोटे शिफ्ट यानी रोज पांच घंटों तक काम करने वाले ऐसे श्रमिकों की वास्तविक आय औसतन 7,999 रुपये से गिर कर 7,157 रुपये रह गई। यहां एक दूसरे अध्ययन का निष्कर्ष भी जरूर ध्यान में रखना चाहिए कि एक औसत गिग वर्कर आम शहरी पुरुष मजदूर की तुलना में कम कमा पाता है। एक निजी यूनिवर्सिटी की तरफ से गिग-पल्स शीर्षक से जारी रिपोर्ट के मुताबिक इन दोनों तरह के श्रमिकों की मासिक कमाई में औसतन तीन हजार रुपये का फर्क है। केंद्र सरकार के पीरियॉडिक लेबर फोर्स सर्वे 2022 से सामने आया था कि लगभग 74 प्रतिशत गिग वर्कर कोई बचत नहीं कर पाते हैं। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक देश में गिग वर्कर्स की संख्या 80 लाख से ज्यादा हो चुकी है। अर्थव्यवस्था और रोजगार में जैसे ट्रेंड हैं, उन्हें देखते हुए आसानी से अनुमान लगाया जा सकता है कि इन श्रमिकों की संख्या आने वाले दिनों में तेजी से बढ़ेगी। इसलिए उनकी बदहाली दूर करने के उपायों को चर्चा में लाने की आवश्यकता है। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

खुलकर हंसना किसी दवा से कम नहीं है।

लाफ्टर को बेस्ट मेडिसिन माना जाता है। असल जिंदगी में आप जितना खिलखिलाएंगे, उतना ही आपका दिल दुरुस्त और हेल्दी रहेगा। ऐसा एक स्टडी में सामने आया है। जिसमें कहा गया है कि खुलकर हंसना किसी दवा से कम नहीं है। इससे बड़ी-बड़ी स्वास्थ्य समस्याएं चुटकियों में दूर हो जाती है। हाल ही में आई इस स्टडी की रिपोर्ट में बताया गया कि हंसने से दिल की बीमारियों का खतरा काफी हद तक कम रहता है और हार्ट हेल्दी बना रहता है। खुलकर हंसना कार्डियोवैस्कुलर सिस्टम बेहतर बनाने में मदद करता है, जिससे हार्ट का फंक्शन अच्छा होता है।

क्या कहता है रिसर्च : 64 साल की उम्र के 26 लोगों पर शोधकर्ताओं ने अध्ययन किया। इन पार्टिसिपेंट्स को को दो ग्रुप में बांटा गया। सभी पार्टिसिपेंट्स कोरोनरी आर्टरी डिजीज के मरीज थे। उन पर 12 हफ्तों तक रिसर्च चला। एक ग्रुप ने 12 हफ्ते यानी तीन महीने तक कॉमेडी शो देखा और दूसरे ग्रुप ने इतने ही समय तक एक सीरियस डॉक्यूमेंट्री देखी। इसके बाद पाया गया कि कॉमेडी शो देखने वाले मरीजों के हंसने से उनके हार्ट का फंक्शन काफी अच्छा हुआ है।

डॉक्यूमेंटरी देखने वालों की तुलना में उनका कार्डियोवैस्कुलर फंक्शन 10 प्रतिशत तक बढ़ गया था। शरीर में ऑक्सीजन की सप्लाई भी कॉमेडी शो देखने वाले ग्रुप में ज्यादा मिली।

क्या कहते हैं रिसर्चर : इस रिसर्च टीम का हिस्सा रहे ब्राजील के डी क्लीनिकास डी पोर्टो एलेग्री हॉस्पटल के प्रो। सैफी ने बताया कि अस्पतालों में कोरोनरी आर्टरी डिजीज के मरीज अक्सर आते रहते हैं। उनमें सूजन और बायोमार्कर पाए जाते हैं। उनकी आर्टरीज में प्लाक जम जाता है, जो बाद में हार्ट अटैक या स्ट्रोक का कारण बन सकता है। ऐसे में अगर अस्पतालों में मरीजों को कॉमेडी शो दिखाने के साथ लाफ्टर थेरेपी या खुश रहने के दूसरे तरीके समझाए जाए या इस्तेमाल में लाए जाए तो काफी हद तक सुधार देखने को मिलेगा। क्योंकि खुश रहना या फिर खुलकर हंसने से हार्ट की सेहत काफी अच्छी होती है। इसलिए हर किसी को मरीज के साथ बैठकर उससे खुलकर हंसने वाली या इस तरह की बातें करनी चाहिए।(आरएनएस)

इन फलों को खाने के बाद गलती से भी ना पिएं पानी

फल सेहत का खजाना होता है। विटामिन्स, मिनरल्स, फाइबर, कैल्शियम और आयरन जैसे पोषक तत्वों से भरपूर फल खाने के अनगिनत फायदे होते हैं। हालांकि, फल खाने के भी नियम और सावधानियां होती है। कुछ चीजों के साथ फलों का सेवन नुकसानदायक हो सकता है। बहुत से लोग खाने के साथ दिन-दोपहर या रात में किसी भी चीज के साथ फल खा लेते हैं, जो बिल्कुल भी सही नहीं है। फल खाने के बाद पानी पीना भी खतरनाक हो सकता है। ये सेहत के लिए भारी पड़ सकता है। आइए जानते हैं 5 ऐसे फ्लों के बारें में जिन्हें खाने के बाद अगर पानी पीते हैं तो पेट से जुड़ी कई समस्याएं हो सकती हैं।

केला

ऊर्जा का तगड़ा सोर्स केला पोटैशियम से भरपूर होता है। कब्ज और पेट की समस्या से राहत पाने में केला फायदेमंद माना जाता है लेकिन अगर केला खाने के बाद पानी पीते हैं तो पाचन तंत्र बिगड़ सकता है।

अमरूद

फाइबर, विटामिन ए और विटामिन सी के साथ फोलिक एसिड, पोटैशियम और कॉपर से भरपूर अमरूद खाने से पाचन से जुड़ी समस्याएं दूर हो जाती हैं। लेकिन अगर अमरूद खाने के बाद पानी पीना खतरनाक हो सकता है। इससे डाइजेशन खराब हो सकता है।

अनार

अनार के लाल दाने शरीर में खून बढ़ाने और इम्यून सिस्टम को मजबूत करने के काम आते हैं। इसे खाने के बाद गलती से भी पानी नहीं पीना चाहिए। अगर आप अनार खाने के बाद पानी पी लेते हैं तो मतली, एसिडिटी और उल्टी की समस्या हो सकती है।

खट्टे फल

खट्टे फल जैसे- संतरा, आंवला, अंगूर और मौसंबी खाने के बाद भी पानी नहीं पीना चाहिए। ऐसा करने से शरीर का पीएच लेवल गड़बड़ा सकता है। इससे पाचन तंत्र डिस्टर्ब हो सकता है।

तरबूज

शरीर में पानी की कमी को पूरा करने में तरबूत काफी फायदेमंद होता है। हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक, तरबूज खुद पानी वाला फल है लेकिन इसे खाने के बाद अगर पानी पीते हैं तो पाचन तंत्र बिगड़ सकता है। इससे लूज मोशन की समस्या भी हो सकती है।(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -035

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. घुमाव-फिराव वाला, आड़ा-तिरछा, जो कठिन हो 3. कुशलता, दक्षता, विशेषज्ञता 6. लोग, प्रजा 7. सीता, जनकनंदनी 9. सुंदर, कामना करने योग्य 10. क्रोधपूर्वक बोलने को उद्यत होना, जोश में आना, क्रोधातिरेक में चेहरे का लाल होना 13. अधीनता, मातहती, वश 14. दबाव, भार, वजन 16. हद, मर्यादा 18. प्रमाण-पत्र, प्रमाणिक कथन या बात 19. पछताना (मुहा.) 21. अनुचित मिश्रण, मिलावट 22. विफल, बेहोश, बौखलाया हुआ।

ऊपर से नीचे

1. सहारा, आश्रय, प्रतिज्ञा, संकल्प 2. परिश्रम 4. रात, रात्रि, निशा 5. पुत्र, बेटा 8. मूल्य, दाम 9. कपड़े का मोटा परदा 11. संदेश भेजना, उच्चारण कराना, कहलवाना 12. मृतकों को जीवित और रोगियों को स्वस्थ कर देने वाला व्यक्ति, प्रेमपात्र की संज्ञा 14. देने की क्रिया, खैरात 5. कुमार्गी, दुराचारी 17. मस्तक, माथा, ललाट 18. प्रश्न, समस्या 20. सहायता, सहारा 21. पशुओं को खिलाने वाली हरी पत्तियां, तृण, तिनका।

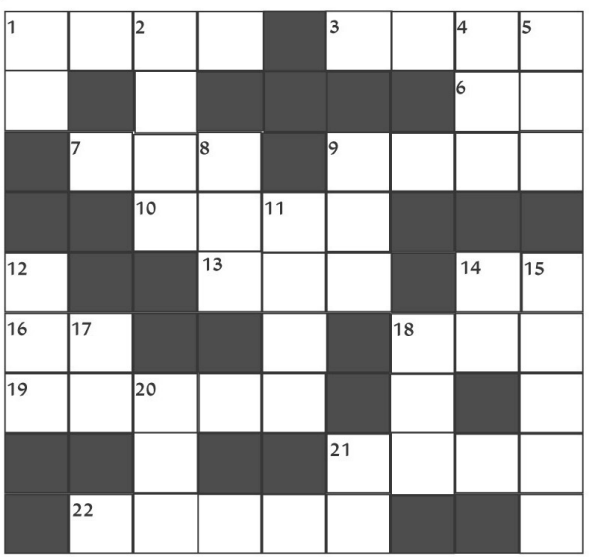

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 34 का हल

ज	द्दो	जे	ह	द	■	स	पू	त
ल	■	ब	ल	वा	न	■	■	द
म	ह	क	■	खा	म	खां	■	बी
ग्न	■	त	ल	ना	■	स	फ	र
■	म	रा	■	■	■	ना	टा	■
■	हि	■	स	■	■	■	फ	न
■	ला	ज	वा	ब	■	म	ट	र
मां	■	ग	■	सं	त	ति	■	भ
■	मा	त	ह	त	■	■	प	क्षी

द ग्रेट इंडियन फैमिली 22 सितंबर को रिलीज होगी

यश राज फिल्म्स की आगामी फिल्म द ग्रेट इंडियन फैमिली है, जिसमें विक्की कौशल और मानुषी छिल्लर मुख्य भूमिकाओं में हैं।शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण अभिनीत पठान के बाद यह साल 2023 की दूसरी रिलीज है, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।अब निर्माताओं ने मंगलवार को द ग्रेट इंडियन फैमिली का पहला प्रोमो वीडियो जारी कर दिया है।इसके साथ निर्माताओं ने खुलासा किया कि फिल्म का टीजर बुधवार को जारी किया जाएगा।

वाईआरएफ ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर द ग्रेट इंडियन फैमिली का प्रोमो साझा किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, दिल थाम के हो जाओ तैयार...मारे एंट्री- भजन कुमार। कल आ रहा हूं। अभी अपना रिमाइंडर सेट करें। फिल्म का निर्देशन विजय शंकर आचार्य द्वारा किया जाएगा।इसमें मनोज पाहवा, कुमुद मिश्रा, सादिया सिद्दीकी, अलका अमीन और सृष्टि दीक्षित जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

विक्की कौशल का मानना है कि भारत की पारिवारिक संस्कृति ऐसी है कि हर परिवार ग्रेट इंडियन फैमिली के खिताब के योग्य है। फिल्म के गाने के लॉन्च इवेंट में एक्टर ने पहले फिल्म के गाने कन्हैया ट्विटर पे आजा पर परफॉर्म किया। इसके बाद उन्होंने कहा, हर परिवार ग्रेट इंडियन फैमिली के खिताब के योग्य है। हमारी पारिवारिक संस्कृति भारत को अनोखा बनाती है। इसके बाद उन्होंने भारतीय परिवारों की गतिशीलता के बारे में बात की।

एक्टर ने एक निजी किस्सा साझा किया, सभी रिश्तेदार हमारे करीब हैं, बस इसी वजह से हम उन्हें दूर की मौसी कहते हैं, कोई भी दूर का नहीं है। भारतीय पारिवारिक संस्कृति में परिवार के सभी लोग एक-दूसरे के करीब होते हैं। मुझे याद है कि मेरी एक मौसी ने कहा था, तू जब हुआ था ना तब सबसे पहले मैं थी तेरे पास, तेरे पापा भी नहीं थे। द ग्रेट इंडियन फैमिली 22 सितंबर को रिलीज होगी।

हैवी सीक्वेंस शॉर्ट ड्रेस में नोरा फतेही ने ढाया गजब

नोरा फतेही अपने किसी भी प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा में आएं या न आएं, लेकिन अपने लुक्स की वजह से वह अक्सर खबरों में आ ही जाती हैं। नोरा ने अपनी हर अदा का जादू दुनियाभर के लोगों पर खूब चलाया है। आज फैंस उनकी एक झलक देखने के लिए बेताब रहते हैं। एक्ट्रेस भी चाहने वालों के साथ जुडने़ का कोई मौका हाथ से नहीं जाने देतीं। ऐसे में एक्ट्रेस इंस्टाग्राम पर लगभग हर दिन अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ की झलक शेयर करती रहती हैं।

कुछ देर पहले ही नोरा ने फिर अपने नए लुक से सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। लेटेस्ट फोटोज में एक्ट्रेस ने वेस्टर्न टच के साथ देसी तडका लगाया है। तस्वीरों में नोरा छोटी सी हैवी स्टोन वर्क वाली फुल स्लीव्स ड्रेस पहने हुए नजर आ रही हैं। नोरा ने हुस्न के जलवे बिखेरते हुए अपने कई पोज कैमरे के सामने दिए हैं। नोरा ने अपने इस लुक को सटल बेस, न्यूड लिप्स और पिंक न्यूड आई मेकअप से कंप्लीट किया है। इसके साथ एक्ट्रेस ने बालों की लंबी चोटी बनाकर बांधा हुआ है। वहीं, एक्सेसरीज के तौर पर नोरा ने कानों में हैवी डायमंड ईयररिंग्स और दोनों हाथों में डायमंड रिंग्स कैरी की हैं। एक्ट्रेस की अदाओं पर अब चाहने वालों की नजरें टिकी रह गई हैं। नोरा के फैंस ने उन पर प्यार लुटाते हुए कई कमेंट्स किए हैं। दूसरी ओर सिर्फ 3 घंटों में एक्ट्रेस की फोटोज पर करीब डेढ़ लाख लाइक्स आ चुके हैं, जो हर मिनट तेजी से बढ़ रहे हैं। गौरतलब है कि नोरा फतेही इन दिनों ओटीटी डांस रियलिटी शो हिप हॉप इंडिया में जज की कुर्सी संभालते हुए नजर आ रही हैं। इसके अलावा एक्ट्रेस के पास कई फिल्में भी पाइपलाइन में हैं। जल्द ही नोरा 100 पर्सेंट से बन रही फिल्म में नजर आने वाली हैं। इसके बाद उन्हें मडगांव एक्सप्रेस, डांसिंग डैड और मटका टाइलट से बन रही फिल्मों में भी देखा जाने वाला है।

वरुण धवन और आलिया भट्ट की फिर जमेगी जोड़ी

वरुण धवन और आलिया भट्ट की जोड़ी को दर्शकों ने भरपूर प्यार दिया है। पहली फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से बद्रीनाथ की दुल्हनिया तक, दोनों पर लोगों ने जमकर प्यार लुटाया है।जो प्रशंसक इस जोड़ी के पर्दे पर लौटने का इंतजार कर रहे थे, अब उनकी यह इच्छा जल्द ही पूरी होने वाली है। दरअसल, दोनों फिर साथ नजर आने वाले हैं और वो भी दुल्हनिया सीरीज की अगली किस्त में।वरुण ने खुद यह खुलासा किया है।

एक हालिया इंटरव्यू के दौरान वरुण अपनी पिछली फिल्म बवाल के निर्देशक नितेश तिवारी और जाह्नवी कपूर के बगल में बैठे थे।वहीं दर्शकों की भीड़ में बैठे एक प्रशंसक ने वरुण से आलिया के साथ उनकी फिल्म सीरीज दुल्हनिया के अगले भाग के बारे में पूछा।इस पर वरुण ने कहा कि वह आलिया के साथ दोबारा काम करना चाहेंगे। उन्होंने बताया कि निर्देशक शशांक खेतान फिलहाल उनके लिए एक स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं।

वरुण बोले, एक टीम के रूप में हम सबने इस पर काफी चर्चा की है। हम निश्चित रूप से यह करना चाहते हैं। साथ ही हम कुछ ऐसा लाना चाहते हैं, जो बहुत अच्छा हो ताकि आप सब भी उसे देखने के लिए बहुत उत्साहित हों।उन्होंने कहा, दुल्हनिया 3 पर शशांक काम कर रहे हैं। वह एक स्क्रिप्ट तैयार कर रहे हैं, जो हमारी वापसी के लिए बेहतर होगी। हम एक-दूसरे के साथ फिर काम करने को उत्साहित हैं।

वरुण और आलिया की पहली फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर थी, जिसमें दोनों साथ नजर आए थे। खास बात यह है कि करण जौहर ने इन दोनों ही कलाकारों को इस फिल्म के जरिए बॉलीवुड में लॉन्च किया था।पहली ही फिल्म से दोनों दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब रहे थे। उनकी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया था।फिल्म में दोस्ती, प्यार और प्रतिस्पर्धा की कहानी दिखाई गई थी।

आलिया-वरुण ने 2014 में रोमांटिक कॉमेडी फिल्म हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया में दूसरी बार साथ काम किया। 33 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने लगभग 120 करोड़ रुपये कमाए थे।इसके बाद वे दुल्हनिया सीरीज की दूसरी फिल्म बद्रीनाथ की दुल्हनिया लेकर आए, जो 2017 में रिलीज हुई।40 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया।इन दोनों फिल्मों के निर्देशक शशांक खेतान ही थे।

इमरान ने दोधारी तलवार के लिए लगातार 4 रात की शिफ्ट में की शूटिंग

लंबे समय से सिनेमा से दूर रहे अभिनेता इमरान खान ने पुरानी यादों को याद करते हुए इंस्टाग्राम पर अपनी फिल्म मेरे ब्रदर की दुल्हन और डेल्ही बेली को लेकर दिलचस्प किस्से साझा किए।

इमरान ने इंस्टाग्राम पर मेरे ब्रदर की दुल्हन और डेल्ही बेली की कुछ रेट्रो तस्वीरें साझा की।

उन्होंने लिखा, एक समय की बात है, इंस्टाग्राम नहीं था, इसलिए लोग अपनी तस्वीरों में रेट्रो प्रभाव जोडने़ के लिए हिपस्टैमैटिक ऐप का इस्तेमाल करते थे। यहां एमबीकेडी के सेट से कुछ रेट्रो तस्वीरें हैं, मुझे याद है कि मैंने दो धारी तलवार गाने के लिए कुछ डबल शिफ्ट में काम किया था।

उन्होंने खुलासा किया कि उन्होंने लगातार चार रातों तक दो धारी तलवार गाने की शूटिंग की और दिन के दौरान वह डेल्ही बेली के ट्रैक की शूटिंग कर रहे थे।

उन्होंने कहा, इसे लगातार 4 रात की पालियों में शूट किया गया था, जबकि मैं एक ही समय में दिल्ली बेली से नक्कड?वाले डिस्को और स्विटी के संगीत वीडियो की शूटिंग दिन में कर रहा था। मैं दो सेटों के बीच चलते हुए अपनी कार में सोता था।

मेरे ब्रदर की दुल्हन अली अब्बास जफर के निर्देशन में बनी पहली फिल्म है। फिल्म में इमरान खान, कैटरीना कैफ, अली जफर और तारा डिसूजा हैं।

करीना ने ठुकरा दी टिस्का चोपड़ा की फिल्म!

पिछले काफी समय से अभिनेत्री टिस्का चोपड़ा चर्चा में हैं। दरअसल, अब वह फीचर फिल्मों के निर्देशन में उतर रही हैं।टिस्का अपने निर्देशन में बनी पहली फिल्म में करीना कपूर को लेने वाली थीं। उन्होंने अभिनेत्री को इसका प्रस्ताव दिया था, लेकिन करीना ने इसे ठेंगा दिखा दिया।खबर है कि उनकी ना के बाद टिस्का ने राधिक आप्टे से संपर्क किया और उन्होंने मौके का फायदा उठाते हुए फिल्म का हिस्सा बनने के लिए अपनी रजामंदी दे दी।

रिपोर्ट के मुताबिक, टिस्का के निर्देशन में बन रही पहली फीचर फिल्म का नाम फिलहाल द ट्रेन फ्रॉम छपरोला रखा गया है।यह एक शानदार मर्डर मिस्ट्री है और इसमें राधिका एक मजबूत, आत्मविश्वासी आधुनिक महिला की भूमिका में नजर आएंगी।टिस्का ने खुद इसकी कहानी भी लिखी है और वह सितंबर में उत्तराखंड में इस फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगी। फिल्म के लिए लीड हीरो की तलाश अभी जारी है।

इस फिल्म का प्रस्ताव पहले करीना को दिया गया था, लेकिन उन्होंने यह कहकर इसका हिस्सा बनने से इनकार कर दिया कि वह पहले से ही एक मर्डर मिस्ट्री का हिस्सा हैं, जिसका निर्देशन हंसल मेहता कर रहे हैं।

उनकी यह फिल्म इस साल के अंत में रिलीज होने वाली है।ऐसे में करीना फिलहाल ऐसी फिल्म से परहेज कर रही हैं, जिसकी कहानी मर्डर मिस्ट्री के इर्द-गिर्द घूमती हो। यही वजह है कि उन्होंने टिस्का की फिल्म ठुकरा दी।

बॉलीवुड के जाने-माने फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा इस फिल्म से फिल्म निर्माण की दुनिया में कदम रख रहे हैं। वह अपने प्रोडक्शन हाउस स्टेज 5 के बैनर तले इस फिल्म को बना रहे हैं।मनीष ने जियो स्टूडियोज के साथ 3 फिल्मों के लिए हाथ मिलाए हैं। उनकी दूसरी फिल्म बन टिक्की है, जिसके जरिए गुजरे जमाने की मशहूर अदाकारा जीनत अमान पर्दे पर वापसी कर रही हैं।तीसरी फिल्म उनकी विजय वर्मा के साथ चलत मुसाफिर आ रही है।

टिस्का कई फिल्मों में अभिनय कर चुकी हैं। आमिर खान की फिल्म तारे जमीं पर से वह लोकप्रियता के शिखर पर पहुंच गई थीं।

टिस्का ने प्रकाश झा, मधुर भंडारकर जैसे कई जाने-माने निर्देशकों के साथ अलग-अलग भाषाओं की 45 से ज्यादा फिल्मों में अभिनय किया है।शॉर्ट फिल्म चटनी में भी उनकी खूब तारीफ हुई थी।वह एक बेहतरीन लेखक और निर्माता भी हैं। 2020 में शॉर्ट फिल्म रूबरू से टिस्का ने पहली बार निर्देशक की टोपी पहनी थी।

प्रधानमंत्री का व्यापक दृष्टिकोण - भारत का स्वर्ण युग

पीयूष गोयल

लाल किले की प्राचीर से, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत की प्रगति और समृद्धि से जुड़े लंबे समय तक चलने वाले स्वर्ण युग के संबंध में अपने व्यापक दृष्टिकोण को अभिव्यक्ति दी है, क्योंकि माँ भारती हजारों वर्षों की गुलामी, अधीनता और दरिद्रता के बाद, आत्मविश्वास के साथ फिर से गौरव प्राप्त कर रही है।

नरेन्द्र मोदी पहले प्रधानमंत्री हैं, जिनका जन्म आजादी के बाद हुआ है। प्रधानमंत्री देश के भविष्य के प्रति बहुत आशान्वित हैं। उनका आत्मविश्वास पिछले नौ साल में प्रगति के लिए किए गए अथक परिश्रम के बाद हुई ठोस प्रगति पर आधारित है। 140 करोड़ देशवासियों के धर्म, क्षेत्र, लिंग, जाति, उम्र या जातीय पहचान के आधार पर बिना कोई भेदभाव किए ये प्रयास किए गए हैं।

मोदी सरकार की प्रत्येक नीति उनके %सुधार, प्रदर्शन और बदलाव% के मंत्र को दर्शाती है, जो विशेष रूप से गरीबों और वंचितों को लाभान्वित कर रही है। इससे भारत को नौ वर्षों में दुनिया की दसवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से पांचवें पायदान तक पहुंचने में मदद मिली है। भारतीय अर्थव्यवस्था, पीएम मोदी के तीसरे कार्यकाल के दौरान तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है।

इस प्रगति को ठोस आर्थिक नीतियों, भ्रष्टाचार पर अंकुश, सरकारी खर्च में होने वाली चोरी को रोकने, शासन में दक्षता और पारदर्शिता की वृद्धि तथा उदार कल्याणकारी योजनाओं से गति मिली है।

महिलाओं के नेतृत्व में होने वाला विकास

बदलाव के एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में है- भारत में महिलाओं के नेतृत्व में होने वाला विकास। जैसा कि पीएम ने कहा, भारत में किसी भी अन्य देश की तुलना में महिला पायलटों की संख्या अधिक है और वे चंद्रयान मिशन जैसे उच्च तकनीक कार्यक्रमों में भी सबसे आगे हैं। यह गर्व की बात है कि लड?ों की तुलना में ज्यादा लड़कियां विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) विषय का चयन कर रही हैं। पीएम का लक्ष्य गांवों में 2 करोड़ लाखपति-दीदी बनाना और ड्रोन के संचालन एवं मरम्मत के कार्य में महिलाओं को शामिल करना है।

बदलाव की इस यात्रा में मोदी सरकार गरीबों को रोटी, कपड़ा और मकान के जीवन पर्यंत चलने वाले संघर्ष से मुक्ति दिला रही है। सरकार ने प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, लगभग 80 करोड़ लोगों को निःशुल्क खाद्यान्न, राशन कार्डों की देशव्यापी वैधता, महिलाओं की गरिमा की रक्षा करने वाले शौचालय, प्रत्येक गांव में बिजली आपूर्ति, रसोई गैस, अच्छी सड?ें, स्वास्थ्य बीमा और किफायती इंटरनेट सेवा की सुविधाएं प्रदान की हैं। आवास उपलब्ध कराने और पाइप से पेयजल की आपूर्ति करने की योजनाएं तेजी से आगे बढ़ रही हैं।

मोदी सरकार ने अन्य देशों की तुलना में या पिछली सरकारों की तुलना में मुद्रास्फीति को बेहतर ढंग से प्रबंधित किया है, लेकिन जैसा कि पीएम ने कहा, इन प्रयासों के बावजूद सरकार आत्मसंतुष्ट नहीं है। देशवासियों पर महंगाई का बोझ कम करने के लिए सरकार विभिन्न कदम उठाएगी। प्रधानमंत्री की लोगों का ध्यान रखने वाली और उनके प्रति संवेदनशील नीतियों के कारण पिछले पांच वर्षों में (2021 तक) 13.5 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकलने में सफल रहे हैं और वे मध्यम वर्ग की श्रेणी में शामिल हो गए हैं।

एक सहस्राब्दी तक दुःख झेलने के बाद, नया भारत आशा, आकांक्षा और महत्वाकांक्षा के केन्द्र के रूप में उभर रहा है। देश को बढ़ती युवा शक्ति, महिला शक्ति, मेहनती श्रमिकों और किसानों, प्रतिभाशाली कारीगरों और बुनकरों तथा एक समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा की संपदा प्राप्त है, जिनके कारण हम दुनिया भर में अपनी पहचान बना रहे हैं।

भारत का आकांक्षी युवा, मांग और उद्यमशीलता की ऊर्जा पैदा कर रहा है। मोदी सरकार आम लोगों को आवास, स्वास्थ्य देखभाल और खाद्यान्न प्रदान करने और करोड़ों लोगों को निर्धनता की बेडि?ों से बाहर निकलने में सफल रही है, विभिन्न उत्पादों की मांग बढ़ रही है। इससे हमारे लघु व्यवसायों और व्यापारियों के लिए नए अवसर पैदा हो रहे हैं। यह प्रतिभाशाली युवा पुरुषों और महिलाओं को स्टार्ट-अप बनाने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है, जो रोज?ार की इच्छा रखने वालों को रोज?ार प्रदाताओं में परिवर्तित कर रहा है। मोदी सरकार की मुद्रा ऋण योजना के अंतर्गत 8 करोड़ नए उद्यमियों को 23 लाख करोड़ रुपये वितरित किए गए हैं। इनमें से 70 प्रतिशत महिला उद्यमी हैं और 51 प्रतिशत लाभार्थी अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति या अन्य पिछड़ा वर्ग से हैं।

140 करोड़ लोगों की शक्ति और आकांक्षाओं पर आधारित भारत का रूपांतरण आज विश्व को दिखाई पड़ रहा है। आज, महामारी और यूक्रेन संकट के दोहरे आघात के बावजूद भारत को अशांत दुनिया में एक उज्ज्वल स्थान के रूप में विश्व स्तर पर सराहा जा रहा है।

घबराया हुआ विपक्ष

अमृत काल के दौरान आशावाद के इस दौर में, जहां प्रधानमंत्री का दूरदर्शी नेतृत्व भारत को एक विकसित देश बनाएगा, कुछ लोग ऐसे भी हैं जो घबराए हुए हैं। वे तीन बुराइयों - भ्रष्टाचार, वंशवाद की राजनीति और तुष्टिकरण से लडने की प्रधानमंत्री की अपील से घबरा गए हैं।

उनका डर समझा जा सकता है। सरकार ने प्रभावी कानून प्रवर्तन, प्रौद्योगिकी के उपयोग और पुराने कानूनों - जिनका दुरुपयोग लोगों को परेशान करने और रिश्वत वसूलने के लिए किया जाता था - को समाप्त करने के साथ भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए कई पहलें की हैं। प्रधानमंत्री ने यह भी सुनिश्चित किया है कि अतीत में तुष्टीकरण की नीतियों के विपरीत, जिनसे सामाजिक सद्भाव को नुकसान पहुंचा है, हर सरकारी पहल में सभी नागरिकों को समान समझा जाए।

प्रधानमंत्री ने वंशवाद की राजनीति की बुराई को सही ढंग से उजागर किया है। राजनीति के इस ब्रांड में, एक विशेष परिवार के सदस्य, जिनके पास योग्यता हो या न हो, के बावजूद, एक राजनीतिक दल के शीर्ष पद पर बने रहते हैं, जबकि एक योग्य पार्टी सदस्य के लिए शीर्ष तक पहुंचने का कोई अवसर नहीं होता है।

इन बुराइयों को समाप्त करने के लिए सरकार के दृढ़ संकल्प ने जनता को प्रोत्साहित किया है, लेकिन कुछ विपक्षी दल उदास हैं। वे अपनी नकारात्मकता को छिपा नहीं सकते। इसमें आश्चर्य की बात नहीं है। घमंडिया गठबंधन, घोटालों से घिरे वंशवादियों का एक समूह है, जो नियमित रूप से तुष्टीकरण को चुनावी माध्यम के रूप में इस्तेमाल करता है। इनमें नकारात्मकता, सत्ता की लोलुपता और तीनों बुराइयों के विरूद्ध निर्णायक कार्रवाई के बारे में बढ़ते डर के अलावा कुछ भी समान नहीं है।

जब ऐसी पार्टी ने गठबंधन सरकार का नेतृत्व किया, तो उसे नियमित रूप से लाखों करोड़ रुपये के सार्वजनिक धन से जुड़े भ्रष्टाचार के घोटालों का सामना करना पड़ा। इस गठबंधन के प्रधानमंत्री ने एक बार कहा था कि यह गठबंधन की राजनीति की विवशता है। इससे अधिक दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति नहीं हो सकती कि एक प्रधानमंत्री ईमानदार प्रशासन देने में असमर्थ हो, क्योंकि उसे गठबंधन को बरकरार रखना है। पार्टी को चलाने वाले परिवार ने एक ऐसी व्यवस्था बनाई, जिसने उसे बिना किसी जवाबदेही के सत्ता सौंप दी।

इसके विपरीत, प्रधानमंत्री मोदी के लिए शासन; ईमानदारी, जवाबदेही, पारदर्शिता और नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने की ज्वलंत इच्छा से जुड़ा है। प्रधानमंत्री के लिए परिवार का मतलब भारत के सभी 140 करोड़ लोग हैं, जो उनके संवेदनशील नेतृत्व पर भरोसा करते हैं। यही भरोसा उनको भारत का सबसे प्रभावी और सबसे लोकप्रिय प्रधान सेवक बनाता है।

लेखक केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग, उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण और वस्त्र मंत्री

सू- दोकू क्र.035

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.34 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2

लोकसभा चुनाव समय पर होगा

विपक्षी पार्टियों के नेताओं के इस दावे का कोई आधार नहीं है कि लोकसभा का चुनाव समय से पहले हो सकता है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पहले कहा कि भाजपा लोकसभा का चुनाव इस साल दिसंबर तक करा सकती है। इसके बाद यही बात बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दोहराई। उन्होंने भी कहा कि सरकार मुश्किल में है इसलिए वह जल्दी चुनाव में जा सकती है। ममता और नीतीश कुमार के अलावा कई और नेता अनौपचारिक बातचीत में इस बात की आशंका जता रहे हैं कि भाजपा अगले साल अप्रैल-मई की बजाय इस साल के अंत में चुनाव करा सकती है।

असल में विपक्षी पार्टियां इससे एक नैरेटिव बना रही हैं। सोची समझी योजना के तहत विपक्ष की ओर से यह बात कही जा रही है ताकि विपक्ष के गठबंधन 'इंडिया' पर फोकस बढ़े और उसे गंभीरता से लिया जाए। तभी विपक्ष की ओर से बार बार यह भी कहा जा रहा है कि जब से 'इंडिया' का गठन हुआ है तब से भाजपा परेशान। ममता बनर्जी ने तो रसोई गैस सिलिंडर की कीमतों में कटौती को भी इसी से जोड़ा और कहा कि 'इंडिया' की दो बैठक हुई है और उसी से सरकार कीमतें कम करने लगी। जल्दी चुनाव की संभावना जताना इसी नैरेटिव का हिस्सा है। इसका मकसद यह बताना है कि केंद्र सरकार और भाजपा दोनों विपक्षी गठबंधन की वजह से चिंता में हैं और चाहते हैं कि विपक्ष और मजबूत हो उससे पहले चुनाव करा लिया जाए ताकि उन्हें चुनाव की तैयारी का मौका नहीं मिले।

कई बार समय से पहले चुनाव करा लेना एक अच्छी रणनीति मानी जाती है। जैसे तेलंगाना में पिछली बार के चंद्रशेखर राव ने समय से पहले चुनाव करा लिया था और जीत गए थे। जैसे गुजरात में 2002 के दंगों के बाद नरेंद्र मोदी समय से पहले विधानसभा चुनाव कराना चाहते थे। लेकिन हर बार यह रणनीति कारगर नहीं होती है। केंद्र के स्तर पर अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने छह महीने पहले चुनाव कराया था और हार कर सत्ता से बाहर हो गई थी। भाजपा के मौजूदा नेतृत्व को उसका अनुभव है। दूसरे, नरेंद्र मोदी अपनी सरकार का एक दिन भी जाया करने वाले नेता नहीं हैं। तभी 2019 का चुनाव 2014 के मुकाबले देरी से खत्म हुआ, नतीजे भी देरी से आए और मोदी ने शपथ भी चार दिन की देरी से ली।

वैसे भी अगर चुनाव रणनीति के हिसाब से देखें तो भाजपा ने 2024 के लोकसभा चुनाव का जो कैलेंडर बनाया है उसके मुताबिक जनवरी का महीना सबसे अहम है, जब अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर का उद्घाटन होना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उसका उद्घाटन करेंगे और सात दिन तक धार्मिक उत्सव चलता रहेगा। भाजपा पूरे देश में इसका माहौल बनाएगी। उससे पहले इस साल दिसंबर तक सरकार ने 10 लाख युवाओं को रोजगार बांटने का ऐलान किया है, जिसकी प्रक्रिया चल रही है। अगर दिसंबर में चुनाव कराना होगा तो अक्टूबर में आचार संहिता लग जाएगी। ऐसे में सितंबर तक सारी नियुक्ति पत्र बांटनी होगी, जिसकी तैयारी अभी नहीं दिख रही है। नवंबर में पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव होने हैं और भाजपा किसी हाल में उनके साथ लोकसभा चुनाव नहीं कराएगी क्योंकि स्थानीय मुद्दों का असर लोकसभा पर हो सकता है। इसके अलावा भी कई कारण हैं, जिनसे लगता है कि चुनाव समय पर होंगे। (आरएनएस)

जोशी ने विंग कमांडर के पार्थिव शरीर को दी श्रद्धांजलि

हमारे संवाददाता

देहरादून। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने आज देहरादून के अजबपुर निवासी भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर अनुपम गुसाईं की आकस्मिक निधन पर गहरा शोक प्रकट करते हुए उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। इस अवसर पर पूर्व सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत सहित हजारों की संख्या में स्थानीय लोग भी उपस्थित रहे। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोकाकुल परिजनों को इस गहरे दु:ख को सहने की कामना की। मंत्री ने परिवार जनों को सरकार की तरफ से हर संभव मदद का भरोसा भी दिलाया। बता दें कि भारतीय वायुसेना के अधिकारी विंग कमांडर अनुपम गोसाई (38) पुत्र रविंद्र गुसाईं निवासी गोविंद नगर अजबपुर कला देहरादून 7 विंग अम्बाला में विंग कमांडर के पद पर तैनात थे। शुक्रवार को हृदय गति रुकने से उनका देहांत हो गया था। उनके पार्थिव शरीर को भारतीय वायु सेवा के विशेष विमान द्वारा लेह से सुबह 9:10 बजे जौलीग्रांट एयरपोर्ट लाया गया। विंग कमांडर अनुपम गोसाई को लेह में अभ्यास के लिए भेजा गया था। एयरपोर्ट से उनके पार्थिव शरीर को सेना व परिजनों द्वारा साढ़े नौ बजे एंबुलेंस से उनके निवास स्थान देहरादून ले जाया गया। जहां सैकडो को संख्या में लोगों ने विंग कमांडर अनुपम को अंतिम विदाई दी गयी।

एम्स के चिकित्सक के घर से लाखों रुपये के जेवरात चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने एम्स के चिकित्सक के घर से लाखों रूपये के जेवरात चोरी कर लिये है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एम्स के चिकित्सक डा. अष्ठोक सिंह ने ऋज़िकेष्ठा कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका कमराएम्स की बिल्डिंग में ही है। आज जब वह चिकित्सालय से अपने घर पहुंचा तो उसने देखा कि उसके कमरे का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ था। चोरों ने अलमारी का लॉकर तोडकर वहां से 60 हजार रूपये नगद व लाखों रूपये के जेवरात चोरी कर लिये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

अतर्राज्यीय लुटेरे गिरफ्तार, लूटी गयी चेन व लूट में प्रयुक्त बुलेरो बरामद

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। चेन लूट के मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस ने तीन लुटेरों को लूटी गये चेन व लूट में प्रयुक्त बुलेरो सहित गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी अंर्तराज्यीय लुटेरे है जिन पर उत्तरप्रदेश व उत्तराखण्ड में लूट व गैंगस्टर सहित कई मामले दर्ज है। जानकारी के अनुसार बीती शाम शास्त्री नगर ज्वालापुर निवासी इंदु देवी द्वारा थाना श्यामपुर पर तहरीर देकर बताया गया था कि वह अपने भतीजे अमन के साथ मोटरसाइकिल से बैठकर हरिद्वार से बिजनौर जा रही थी। बताया कि इस दौरान चंडी देवी रोपवे से थोड़ा आगे पीछे से आ रही बुलेरो पिकअप ने बाइक को बिल्कुल सटाकर ओवरटेक किया। इस दौरान बोलोरो की आगे की सीट पर बैठे लड़के ने महिला की गले से सोने की चैन लूट ली और नजीबाबाद की ओर भाग गए। मामले में पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर बार्डर बैरियर बंद करते हुए लुटेरों की तलाश शुरू कर दी गयी। लगातार भागने की कोशिशों में जुटे लुटेरो को पुलिस द्वारा कनखल क्षेत्र से घटना में प्रयुक्त बुलोरो पिकअप और महिला से लूटी गयी चेन सहित गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में उन्होने अपना नाम सलमान उर्फ राजा पुत्र शरीफ निवासी मुजफ्फर नगर, सावेज पुत्र शहजाद व अजय पुत्र जगमोहन निवासी सहारनपुर बताया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार लुटेरे सलमान ने वर्ष 2015 में अपने साथियों के साथ हरिद्वार कोतवाली टैक्सी स्टैंड से एक इंडिगो कार लक्ष्मण झूला के नाम से बुक की थी और पंतद्वीप पार्किंग में ड्राइवर को बंधक बनाकर मुजफ्फरनगर ले गए साथ ही कार व सामान पर्स ,घड़ी आदि सब लूट लिए थे उस प्रकरण में भी सलमान जेल गया और कोतवाली नगर से वर्ष 2015 में इस पर गैंगस्टर का मुकदमा भी पंजीकृत है। आरोपी उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड में लूट के कई मामलों में आरोपी हैं। जिन्हे पूछताछ के बाद न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

चोरी के ट्रक के साथ एक गिरफ्तार, एक फरार

संवाददाता

हरिद्वार। पुलिस ने चोरी के ट्रक के साथ एक को गिरफ्तार कर लिया है जबकि उसका दूसरा साथी फरार हो गया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गुलबहार पुत्र गुलजार निवारी बढेड़ी राजपूतान रानीपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका ट्रक किसी ने चोरी कर लिया है। जिस पर कोतवाली रानीपुर पर मुकदमा दर्ज करते हुए पुलिस टीमें सक्रिय हो गईं। ट्रक चोरी की सूचना पर एसएसपी अजय सिंह ने पुलिस टीमों का गठन किया। लोकल वीडियो फुटेज में एक संदिग्ध बाइक नजर आ रही थी जिसमें से उतरा एक शख्स ट्रक लेकर मौके से निकला था जबकि बाइक सवार ट्रक के साथ-साथ चल रहा था। ट्रक पर जीपीएस लगे होने की जानकारी मिलने पर पुलिस टीम द्वारा उक्त जीपीएस को ट्रैक किया गया तो ट्रक मुजफ्फरनगर की ओर जाता हुआ तो मिला लेकिन चोरों ने चालाकी दिखाते हुए छपार पहुंचते ही जीपीएस डी-एक्टिवेट कर दिया। पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश पहुंची टीम ने छपार

एवं उसके आगे स्थित टोल प्लाजा पर मैन्युअल पुलिसिंग के साथ-साथ वीडियो फुटेज का सूक्ष्म विश्लेषण करने पर पाया कि ट्रक ने छपार के बाद कोई भी टोल प्लाजा पार नही किया है। ट्रक मालिक को साथ लेकर छपार से आगे सर्चिंग अभियान चलाया गया तो उक्त ट्रक लिंक रोड के किनारे झाड़ियां में छुपाया हुआ मिला। ट्रक बरामद होने की सूचना मिलने पर मामले की मॉनीटरिंग कर रहे एसएसपी ने टीम को वहीं डेरा डालकर झाड़ियों में छिपे रहने व हर गतिविधि पर नजर रखने का निर्देश दिया। कुछ समय बाद एक बाइक पर सवार दो युवक उस जगह पहुंचे जहां एक आदमी बाइक से उतर गया और दूसरा व्यक्ति बाइक लेकर मौके से वापस चला गया। पुलिस टीम ने तत्काल एक्शन में आते हुए ट्रक की ओर जा रहे व्यक्ति को दबोच लिया। गिरफ्त में आए व्यक्ति से जानकारी मिली कि पैसों की जरूरत होने के चलते उसने अपने साथी के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया और पुलिस से बचने के लिए ट्रक में लगा जीपीएस सिस्टम भी हटा दिया था। ट्रक का सौदा करने के लिए आरोपी ट्रक को झाड़ी में छुपा कर चले गए थे। ट्रक कटवाने का सौदा डेढ़ लाख में तय होने पर आरोपी अपने उसी साथी के साथ फिर वापस ट्रक लेने के लिए आया था लेकिन घेराबंदी के लिए तैयार बैठी पुलिस टीम ने उसे दबोच लिया। पूरे मामले की और गहनता से पड़ताल अभी जारी है कि ट्रक कहां ले जाया जा रहा था और इस पूरे मामल में कहीं और भी लोग तो शामिल नहीं थे। पूछताछ में उसने अपना नाम दिनेश पुत्र ओम प्रकाश नि/ग्राम काठा थाना-बागपत उत्तर प्रदेश बताया। उसने अपने फरार साथी का नाम गुलजार उर्फ मामा पुत्र रमजान निवासी इस्लामनगर खतौली जिला मुजफ्फरनगर बताया। दिनेश पर गुडगांव, दिल्ली, बागपत व मुरादाबाद में लूट चोरी के मुकदमें दर्ज हैं। पुलिस ने उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

हिमालय हमारा भविष्य व विरासत है: धामी

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हिमालय न केवल भारत बल्कि विश्व की बहुत बड़ी आबादी को प्रभावित करता है। यह हमारा भविष्य एवं विरासत दोनों है।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों को हिमालय दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हिमालय के संरक्षण में हम सभी की भागीदारी जरूरी है। हिमालय न केवल भारत बल्कि विश्व की बहुत बड़ी आबादी को प्रभावित करता है। यह हमारा भविष्य एवं विरासत दोनों है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से हिमालय को सुरक्षित रखना हम सब की जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमालयी क्षेत्रों में सामाजिक विकास की आवश्यकता है, हमें इकॉलोजी एवं इकोनॉमी को साथ में रखते हुए कार्य करना होगा एवं हिमालय की जैव विविधता को संरक्षित करना होगा। जब हिमालय बचा रहेगा, तभी जीवन बचा रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमालय का किसी राज्य व देश के लिये ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिये महत्व है। हिमालय के संरक्षण का दायित्व, हम सभी का है। हिमालय के संरक्षण के लिये यहां की संस्कृति, नदियों व वनों का संरक्षण जरूरी है। विकास के साथ ही प्रकृति के साथ भी संतुलन बनाना होगा। प्रकृति के संरक्षण के लिये हिमालय का संरक्षण आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण उत्तराखण्ड वासियों के स्वभाव में है, हरेला जैसे पर्व, प्रकृति से जुड़ने की हमारे पूर्वजों की दूरगामी सोच का परिणाम है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि पर्यावरण में हो रहे बदलावों, ग्लोबल वार्मिंग के साथ ही जल, जंगल, जमीन से जुड़े विषयों पर समेकित चिंतन की जरूरत है। सामाजिक चेतना तथा समेकित सामूहिक प्रयासों से ही हम इस समस्या के समाधान में सहयोगी बन सकते हैं।

बागेश्वर उप चुनाव में भाजपा ने आचार संहिता की धज्जियां उडायीः माहरा

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करण माहरा ने कहा कि बागेश्वर उप चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने जहां सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल किया वहीं आचार संहिता की धज्जियां उडायी है।

आज यहां कांग्रेस भवन में पत्रकारों से वार्ता करते हुए माहरा ने कहा कि बागेश्वर उपचुनाव में भाजपा की नैतिक हार हुई है। उन्होंने कहा कि पिछली बार कांग्रेस लगभग साढे ग्यारह हजार वोटों से हारी थी वहीं इस बार मात्र 24 सौ वोटों का ही अन्तर रहा है जिससे यह साबित होता है कि कांग्रेस ने बागेश्वर में अपने दस हजार वोटरों का इजीफा किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने इस चुनाव में सरकारी मशीनरी का भी दुरूपयोग करने के साथ ही आचार संहिता का भी खुलकर उल्लंघन किया है जिसका संज्ञान चुनाव आयोग ने भी लिया है।

माहरा ने कहा कि प्रदेश में इस समय डेंगू का प्रकोप फैला हुआ है और सरकार डेंगू के मामले में पूरी तरह से फैल साबित हुई है। नगर पालिकों को फॉगिंग के लिए चालीस लाख रूपये दिये जा रहे हैं लेकिन कहीं भी फॉगिंग नहीं की जा रही है। स्मार्ट सिटी के नाम पर शहर में जगह-जगह गढडे कर रखे हैं जहां पर पानी एकत्रित हो रहा है जिससे डेंगू फैल रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का कहना है कि जब डेंगू मरीज की प्लेटलेटस दस हजार हो जायेगी तब उसको ब्लड व प्लेटलेटस दी जायेगी जबकि तीस हजार प्लेटलेटस रह जाने पर आदमी मौत के मुहाने पर खडा हो जाता है और सरकार मात्र दस हजार की बात कर रही है यहां पर सरकार के सलाहकारों की दाद देनी होगी। उन्होंने कहा कि अभी तक डेंगू से 12 लोगों की मौत हो चुकी है तथा 1100 मरीज अभी भी प्रदेश में डेंगू से ग्रसित है उसपर सरकार का कहना है कि सरकारी अस्पताल में टेस्ट होने के बाद प्राईवेट अस्पताल से भी टेस्ट कराना होगा तब ईलाज किया जायेगा। यह तो आम आदमी को मृत्यु के कगार पर खडा करने जैसा हुआ।

अतिक्रमण पर माहरा का कहना है कि सरकार अतिक्रमण के नाम पर लोगों के रोजगार छीन रही है। उन्होंने पुरोला व उत्तरकाशी में एससी एसटी की युवतियों से बलात्कार के मामले में सरकार को आडे हाथों लेते हुए कहा कि अभी तक उक्त युवतियों को किसी प्रकार का इंसाफ व मदद सरकार की तरफ से नहीं दी गयी है।

प्रेसवार्ता मे गरिमा दसोनी, मथुरादत्त जोशी, महानगर अध्यक्ष जसविन्दर सिंह गोगी, शीशपाल बिष्ट, राजेश चमोली, मोहन काला विकास नेगी भी मौजूद थे।

एक नजर

जी20 शिखर सम्मेलनः पीएम मोदी की टेबल पर लगी 'भारत' के नाम की नेम प्लेट

नई दिल्ली। नई दिल्ली में आयोजित 18वें जी20 शिखर सम्मेलन की शुरुआत हो गई है और भारत इस पहली बार इसकी मेजबानी कर रहा है। ये न सिर्फ मोदी सरकार के लिए बल्कि पूरे देश के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इस दौरान सम्मेलन में शामिल देशों के प्रतिनिधियों का आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भव्यता के साथ स्वागत किया है। वहीं, सभा को संबोधित करते समय पीएम मोदी की टेबल के आगे जो नेम प्लेट लगी उसने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा है। दरअसल, प्रधानमंत्री की टेबल के आगे श्इंडियाश न लिखकर श्भारतश लिखा हुआ था। इतने बड़े मंच पर इंडिया की जगह भारत नाम एक बड़ा संदेश दे रहा। जाहिर है कि सरकार सदस्य देशों को एक बड़ा संदेश दे रही है। देश का नाम इंडिया से भारत किए जाने को लेकर केंद्र सरकार और विपक्ष में तनातनी जारी है। इस बीच खबर है कि 18 सितंबर को आयोजित होने वाले विशेष सत्र के दौरान भारत का नाम इंडिया हटाकर भारत रख दिया जाएगा। उम्मीद की जा रही है कि सरकार इस काम को जल्द करेगी और आधिकारिक रूप से इंडिया की जगह देश का नाम भारत हो जाएगा। गौरतलब है कि इस मुद्दे ने उस वक्त तूल पकड़ा था जब जी20 बैठक के दौरान होने वाले रात्रि भोजन का निमंत्रण द्रौपदी मुर्मू की तरफ से भेजा गया था। इस दौरान आधिकारिक न्योते में प्रेसिडेंट और इंडिया की जगह प्रेसिडेंट और भारत लिखा हुआ था।

550 करोड़ रुपये के घोटाले मामले में चंद्रबाबू नायडू अरेस्ट

अमरावती। आंध्र प्रदेश के अपराध जांच विभाग (सीआईडी) के प्रमुख एन संजय ने शनिवार को कहा कि तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के प्रमुख एन चंद्रबाबू को कौशल विकास निगम में धन की कथित हेराफेरी से जुड़े 550 करोड़ रुपये के घोटाले के संबंध में गिरफ्तार किया गया है। नायडू की गिरफ्तारी के बाद पुलिस अधिकारी ने कहा कि जांच में यह पाया गया कि धन की हेराफेरी से नायडू और तेदेपा को लाभ मिला। उन्होंने कहा, पूरी योजना के पीछे के मुख्य साजिशकर्ता, जिसने मुखौटा कंपनियों के जरिये सरकार से निजी संस्थाओं में सार्वजनिक धन के हस्तांतरण की साजिश रची, उसने सारा काम नारा चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में किया।श्श सीआईडी प्रमुख ने कहा कि नायडू के पास समय-समय पर सरकारी आदेश जारी करने और समझौता ज्ञापन के लिए लेनदेन की विशेष जानकारी थी, जो उन्हें जांच के केंद्र में खड़ा करती है। नायडू को शनिवार सुबह उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वह सभी सुविधाओं से लैस अपनी बस में सो रहे थे।

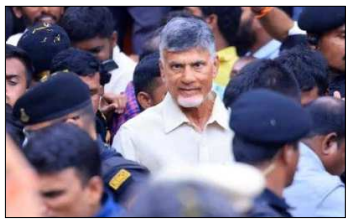

ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक का भारत में हुआ 'जय सियाराम' से स्वागत

नई दिल्ली। ब्रिटिश पीएम सुनक का भारत में जय सियाराम से स्वागत किया गया। केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे उन्हें रिसीव करने के लिए एयरपोर्ट पहुंचे थे।बतौर ब्रिटिश पीएम यह उनका भारत का पहला दौरा है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे के मीडिया सलाहकार पंकज मिश्रा ने बताया कि स्वागत के दौरान केंद्रीय मंत्री चौबे ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री को उनके पूर्वजों की धरती पर अभिनंदन करते हुएश जय सियारामश से अभिवादन किया। ऋषि सुनक को केंद्रीय मंत्री ने बताया कि वह बिहार के बक्सर से सांसद हैं। बक्सर आध्यात्मिक रूप से प्राचीन काल से ही प्रसिद्ध नगर है। जहां भगवान श्री राम और उनके भाई लक्ष्मण ने गुरु महर्षि विश्वामित्र से शिक्षा दीक्षा ली थी और ताड़का वध किया था। ब्रिटिश प्रधानमंत्री सुनक ने भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक गाथा को उत्साह से सुना। उन्होंने प्रधानमंत्री सुनक और उनकी पत्नी अक्षता मूर्ति का भारत के दामाद और बेटी के रूप में भी स्वागत किया। अश्विनी चौबे ने कहा कि भारत की धरती आपकी पूर्वजों की धरती है। आपके यहां आने से सभी काफी उत्साहित हैं। अश्विनी चौबे ने अयोध्या बक्सर सहित मां जानकी के जन्म स्थान सीतामढ़ी और बांका के मंदार पर्वत की आध्यात्मिक संस्कृति से भी प्रधानमंत्री सुनक और उनकी अक्षता को अवगत कराया। इसके साथ ही उन्होंने सुनक को रुद्राक्ष, श्रीमद्भागवत गीता और हनुमान चालीसा भी भेंट की। अपनी तीन दिवसीय यात्रा के दौरान सुनक का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक करने का कार्यक्रम है।

भारत में जी-20 का सम्मेलन गौरव की बातः धामी

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में आयोजित होने वाले जी-20 सम्मेलन में सहभागिता के लिए दिल्ली पहुंचे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि जी-20 के सदस्य देशों का भारत में सम्मेलन होना हमारे देश के लिए गौरव की बात है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि भारत जिस तरह विश्व में एक बड़ी ताकत के रूप में उभर रहा है तथा तमाम विश्व के राष्ट्र भारत की ओर आशावन्तित नजरों से देख रहे हैं यह बहुत बड़े गौरव की बात है। विश्व की जो महाशक्तियां कभी भारत को तबज्जो नहीं देती थी आज वह भारत की उभरती हुई अर्थव्यवस्था तथा इसकी सभ्यता और संस्कृति की सराहना करने पर विवश है। उन्होंने कहा कि अभी हमारा देश

❑क्राफ्ट बाजार में उत्तराखंड के उत्पादों का स्टाल भी लगा है

विश्व की पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश है जो बहुत जल्द तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। आज पूरे देश की नजरे भारत पर लगी हुई है। उन्होंने कहा है कि हमारे पास जो मैनं पावर और संसाधन है तथा एक विशाल बाजार है वह भारत की बड़ी ताकत है।

उल्लेखनीय है कि आज रात राष्ट्रपति द्वारा प्रायोजित किए जाने वाले रात्रि भोज में सभी राज्यों के मुख्यमंत्री को भी आमंत्रित किया गया है जिसमें शामिल होने के लिए सीएम धामी दिल्ली गए हुए हैं। इस महाभोज में सभी सांसद और मुख्यमंत्रियों के अलावा सभी बड़े संगठनों के प्रतिनिधि व विदेशी मेहमान शामिल होंगे।

इस अवसर पर प्रगति मैदान में हर राज्य की क्राफ्ट और कला की एक प्रदर्शनी भी लगाई गई है जिसमें उत्तराखंड के क्राफ्ट और लघु उद्योगों द्वारा निर्मित तमाम उत्पादों को प्रदर्शित किया गया है। आज इस आयोजन के जरिए भारत अपनी बहु आयामी सभ्यता और संस्कृति से विश्व राष्ट्रों को परिचित कराना चाहता है तथा अपने लोकल फार वोकल फार्मूले के जरिए बाजार सशक्तिकरण का प्रयास भी कर रहा है।

धोखाधडी से जेवरात उड़ाने वाले तीन गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। धोखाधडी से जेवरात उडाने वाले तीन को पुलिस ने जेवरातों के साथ गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक नगर श्रीमती सरिता डोभाल ने बताया कि पटेलनगर पर श्रीमती बीना चड्ढा पत्नी जोगिन्दर पाल चड्ढा निवासी पूर्वी पटेलनगर रामलीला मैदान के सामने कोतवाली पटेलनगर जनपद देहरादून ने प्रार्थना पत्र दिया कि 08 सितम्बर 2023 को सुबह लगभग 11. बजे वह और उसके पति जोगिन्दर पाल चट्टा अपने निवास पर मौजूद थे एक अज्ञात व्यक्ति चडढ़ा का पता पूछते हुए हमारे घर आया। उस अज्ञात व्यक्ति ने अपना नाम संजय खुराना निवासी ऋषिकेश बताया बोला कि उसकी ऋषिकेश में दो दुकाने है और किराए पर दे रखी है। वह अपने भाई की शादी के लिए कुछ सोने के जेवरात खरीदने आया है, उसने अपने जेवर और सोने की दो चेन 02 अंगूठी एवं दो कडे जो कि 72.5 ग्राम वजन के थे उसे दिखाए और उसने यह कहा कि माता पीछे आ रही है उनको भी दिखाना है तब तक आप शुगर फ्री चाय बना दीजिए। वह चाय बनाने किचन में चली गई और वह व्यक्ति इतनी देर में सारे सोने के गहने लेकर पीछे रास्ते से भाग गया।

पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। घटनास्थल पर आने जाने वाले मार्गो की जानकारी की गई, उन मार्गों में लगे सीसीटीवी कैमरो को तस्दीक करते हुए लगभग 32 सीसीटीवी कैमरों को चेक किया गया। पुलिस बदमाशों की तलाश कर ही रही थी तभी सूचना मिली कि सफेद रगं की बुलेरो गाडी जिस पर जाट लिखा है वह वाहन अभी बल्लीवाला फ्लाईओवर के नीचे से निकली है। वह आईएसबीटी की ओर जा रहा है।पुलिस टीम तुरन्त मण्डी चौक से लगभग 100-150 मीटर कमला पैलेस की ओर

खडे हो गये व बल्लीवाला की ओर से आने वाले वाहनो को देखने लगे कुछ समय पश्चात एक सफेद बुलेरो वाहन कमला पैलेस चौक की ओर से आते दिखाई दिया। पुलिस टीम उक्त बुलेरो वाहन की तरफ दौडे व पुलिस टीम उस वाहन के पास गये व ड्राईवर साइड जाकर वाहन के ड्राईवर साइड का दरवाजा खोला व गाडी बंद करवा दी आस पास की सभी गाडिया मौके से निकल गई बोलेरो सफेद रंग के वाहन को साइड किया गया उक्त वाहन के पीछे जाट लिखा है। कार में सवार तीनो व्यक्तियो को बाहर उतार कर उनसे पूछताछ की गयी तो उनके द्वारा अपना नाम पता राजेश कुमार पुत्र कुलवन्त राम निवासी डोकरा गेट थाना सदर कैथल, अमर दीप पुत्र गुरु दयाल सिंह निवासी पृथ्वी विहार मेरठ रोड करनवाल हरियाणा व कबीर पुत्र सुरजीत सिंह निवासीः सदर बाजार निकट पुलिस चौकी थाना सदर बाजार करनाल हरियाणा बताया। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी किये जेवरात बरामद कर लिये।

पुलिस ने तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर एक की मौत

संवाददाता

देहरादून। अज्ञात वाहन की चपेट में आकर एक की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ललित विहार कालोनी निवासी आशीष भटट घर की तरफ जा रहा था जब वह जंगलात चौकी के पास पहुंचा तभी अज्ञात वाहन ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मृतक के भाई की तहरीर पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।